E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 183 | प्रयागराज, शनिवार 07 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मस्क ने ट्रम्प की पार्टी की वाले पोस्ट हटाए,उनके प्रचार पर रु4400 करोड़ खर्च किए थे जिससे नेटवर्थ रु2 लाख करोड़ घटी

वॉशिंगटन डीसी। अरबपति इलॉन मस्क ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थन में किए गए सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को इन चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है। मस्क ने चुनाव के दौरान रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रचार पर कम से कम 458 मिलियन डॉलर यानी करीब 4400 करोड़ रुपए खर्च किए थे। चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद मस्क की संपत्ति में भी बड़ी गिरावट आई है। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुमान के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ करीब 2.8 लाख करोड़ रुपए घट गई है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स:-हाउस में कुल 435 सीटें हैं। सभी सीटों पर चुनाव हुए। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 253 और ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 157 सीटें जीती हैं। 25 सीटों पर अंतिम नतीजे आनी बाकी हैं। डेमोक्रेट्स को जरूरी बहुमत मिल चुका है। सीनेट:-सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी



ने 13 सीटें जीती हैं। बची हुई 2 सीटों पर अंतिम नतीजे आना बाकी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं। गवर्नर चुनाव:-कुल 36 सीटों में से 34 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 22 डेमोक्रेट्स और 12 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 2 राज्यों में अंतिम नतीजे आना बाकी है। मिडटर्म चुनाव के नतीजों का कनाडा पर असर:- मिडटर्म चुनाव के नतीजों को कनाडा के लिए अच्छी खबर माना जा रहा है। डेमोक्रेट्स की जीत को अमेरिकी वोटरों की ट्रम्प के टैरिफ के खिलाफ नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है। कनाडा के ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने बुधवार को कहा, 'मैं खुशी से सड़कों पर उछल रहा था। यह कनाडा की जीत है।' हालांकि, चुनाव नतीजों से कनाडा को तुरंत टैरिफ से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता फिर शुरू हो गई है। ऐसे में कनाडा को अमेरिका के साथ बेहतर समझौते की उम्मीद है। हालांकि, संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स की मजबूत स्थिति का टैरिफ पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। इसकी वजह है कि ट्रम्प ने ज्यादातर टैरिफ संसद की मंजूरी के बिना राष्ट्रपति के आदेश से लगाए हैं। संसद में बहुमत गंवाने के बाद भी ट्रम्प के पास कितनी ताकत? कानून रोक सकते हैं: ट्रम्प संसद से पास होने वाले किसी भी बिल पर वीटो लगा सकते हैं। डेमोक्रेट्स के पास फिलहाल इतने वोट नहीं हैं कि वे:- अपने फैसले लागू कर सकते हैं:- ट्रम्प सरकारी आदेश जारी कर सकते हैं, इमरजेंसी घोषित कर सकते हैं और सरकारी एजेंसियों को निर्देश दे सकते हैं। विदेश नीति पर भी उनके पास अधिकार रहेंगे। माफी देने का अधिकार रहेगा:- राष्ट्रपति के पास अपराधियों को माफी देने का अधिकार है। अगर ट्रम्प पद छोड़ने से पहले अपने सहयोगियों को माफी देते हैं, तो इस पर राजनीतिक विवाद हो सकता है। इससे पहले जो बाइडेन भी ऐसा कर चुके हैं। जज और अधिकारियों की नियुक्ति:- रिपब्लिकन बहुमत वाली संसद के पास अभी दो महीने हैं।

ईरान ने अमेरिका को 7 शर्तों वाला नया प्रस्ताव भेजा,कहा- ये पूरी हुई तभी बातचीत करेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध खत्म कराने की कोशिशों के बीच ईरान ने अमेरिका को नया परमाणु प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव कतर के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपनी 7 शर्तें पूरी होने के बाद ही परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करेगा और होर्मुज खोलेगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। हालांकि, उन्होंने प्रस्ताव में शामिल शर्तों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। हालांकि अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। ईरान की बातचीत के लिए 7 शर्तें:-1. अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जाएं- ईरान चाहता है कि अमेरिका उस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध खत्म करे। इन प्रतिबंधों की वजह से ईरान के लिए दूसरे देशों के साथ कारोबार करना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचना मुश्किल होता है। 2. विदेशों में जमा पैसा लौटाया जाए-ईरान की मांग है कि दूसरे देशों के बैंकों में जमा उसकी रोकी गई संपत्ति वापस की जाए। अमेरिकी



प्रतिबंधों के कारण ईरान की बड़ी रकम विदेशों में फंसी हुई है।3. युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा मिले-ईरान चाहता है कि अमेरिका युद्ध के दौरान उसके ठिकानों, बुनियादी ढांचे और दूसरी संपत्तियों को हुए नुकसान की भरपाई करे। इसके लिए मुआवजा देने की मांग भी उसकी शर्तों में शामिल बताई जा रही है। 4. अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी खत्म हो-ईरान के बंदरगाहों और समुद्री कारोबार पर अमेरिका की ओर से लगाई गई रोक हटाई जाए। इस नाकेबंदी के कारण ईरान के लिए समुद्र के रास्ते सामान भेजना और मंगाना मुश्किल हो रहा है। 5. तेल बेचने की पूरी छूट मिले-ईरान चाहता है कि उसके तेल कारोबार पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं। इससे वह अंतरराष्ट्रीय बाजार में दूसरे देशों को अपना तेल बेच सकेगा और उसकी कमाई बढ़ेगी। 6. ईरान और उसके सहयोगियों पर हमले बंद हों-ईरान की मांग है कि अमेरिका और इजरायल उसके साथ-साथ क्षेत्र में उसके सहयोगी संगठनों के खिलाफ भी सैन्य कार्रवाई बंद करें। वह चाहता है कि युद्ध का दायरा दूसरे देशों और संगठनों तक न बढ़े। 7. पश्चिम एशिया से अमेरिकी सेना की तैनाती घटे- ईरान चाहता है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करे। उसकी मांग है कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सैनिकों की तैनाती घटाई जाए। परमाणु मुद्दे पर क्यों फंसी है बातचीत? अमेरिका और ईरान के बीच सबसे बड़ा विवाद परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करे और यह सुनिश्चित करे कि वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे नहीं बढ़ेगा। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि परमाणु मुद्दे पर बातचीत से पहले अमेरिका को उसके खिलाफ लगाए गए प्रतिबंध और दूसरी पाबंदियां हटानी होंगी। यानी दोनों देश बातचीत तो करना चाहते हैं, लेकिन शुरुआत कहां से हो, इस पर सहमत नहीं हैं। अमेरिका पहले परमाणु कार्यक्रम पर बात करना चाहता है, जबकि ईरान पहले आर्थिक और सैन्य पाबंदियां हटवाना चाहता है। कतर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बना:-अमेरिका और ईरान के बीच सीधे बातचीत के रास्ते बंद होने के कारण कतर जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस बार भी ईरान ने अपना प्रस्ताव कतर के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया है। कतर पहले भी दोनों देशों के बीच बातचीत कराने और तनाव कम करने की कोशिशों में शामिल रहा है।

चीन बांग्लादेश को 22 हजार करोड़ के फाइटर जेट देगा,पाक पायलट्स को उड़ाना सिखाएगा

ढाका। चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपए के जे-सीरीज फाइटर जेट देगा। इन विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी। इसके लिए पाकिस्तानी ट्रेनर भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलट्स को प्रशिक्षण दे सकते हैं। पाकिस्तान की एयरफोर्स 2022 से चीन में बने जे-सीरीज फाइटर जेट उड़ा रही है। चीन के बाद पाकिस्तान के पास इन विमानों का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसी वजह से उसके पास इन विमानों को उड़ाने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है। ढाका में जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम चलाएगा पाकिस्तान:-चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की वायुसेना के अफसरों की दिसंबर में ढाका में बैठक भी होगी। ढाका में होने वाले जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तानी एयरफोर्स बांग्लादेशी पायलट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके अलावा रडार से दुश्मन के विमानों की पहचान और उन पर नजर रखने वाले कंट्रोलर्स को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। ग्राउंड क्रू के लिए भी अलग कोर्स चलाए



जाएंगे। पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद के नेतृत्व में पांच सदस्यों की एक टीम ढाका पहुंच चुकी है। इस टीम ने वहां के एयरबेस और दूसरी जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही तकनीकी ट्रेनिंग और सिम्युलेटर के लेन-देन की योजना भी तैयार की। बांग्लादेश के रडार से चीन को मदद मिल सकती है:- चीन की वायुसेना के साथ उसकी तकनीकी टीमें और डेटा लिंक सिस्टम भी काम करते हैं। ऐसे में आशंका है कि भविष्य में एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने पर बांग्लादेश के रडार से मिलने वाली जानकारी चीन के सैन्य नेटवर्क तक पहुंच सकती है। चीन की सेना टैक्टिकल डेटा लिंक (टीडीएल) तकनीक का इस्तेमाल करती है। इसके जरिए फाइटर जेट और जमीन पर मौजूद सैन्य कमान एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। वे रडार से मिली तस्वीरें और दुश्मन के ठिकानों की जानकारी आपस में साझा कर सकते हैं। रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक, चीन ने एक्सएस-3 नाम का हाई-बैंडविड्थ ब्रॉडबैंड लिंक भी तैयार किया है। इसका इस्तेमाल लड़ाकू विमानों, बमवर्षक विमानों और ड्रोन को एक नेटवर्क से जोड़ने के लिए किया जाता है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश भी चीन की इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर खतरा बढ़ सकता है:-भारत के लिए इस सैन्य सहयोग से जुड़ी एक बड़ी चिंता सिलीगुड़ी कॉरिडोर है।

यह करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है। इस इलाके पर पहले से चीन का दबाव है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट या कुर्मीटोला जैसे एयरबेस पर लंबी दूरी तक हमला करने वाले फाइटर जेट तैनात होने से यह पूरा इलाका उनकी पहुंच में आ सकता है। पूर्वोत्तर में उग्रवादी संगठनों को लेकर भी चिंता:-भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कई उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं।

अमेरिका में रिपब्लिकन का 50 साल में सबसे खराब प्रदर्शन,चुनाव के लिए रिकॉर्ड पैसा लगाया

वॉशिंगटन डीसी। रिपब्लिकन पार्टी के बड़े डेटा सलाहकारों में से एक टिम सेलर ने चुनाव के दो संभावित नतीजे बताए। पहला ये कि पार्टी के प्रचार के लिए जुटाए गए 40 करोड़ डॉलर का फंड सही वोटर्स तक पहुंच रहा है और लोग वोट देने भी आ रहे हैं। दूसरा नतीजा पार्टी की करारी हार को लेकर था। पार्टी की चुनावी कमान संभाल रहे जेम्स ब्लेयर ने हंसते हुए कहा, "मैंने अपने अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी है। मेरा सुझाव है कि आप सब भी ऐसा ही करें।" उनकी बात सुनकर बाकी लोग हंसने लगे। करीब 30 मिनट तक कॉल पर ऐसे ही निराशा भरे मजाक चलते रहे। इसमें जेल का खाना खाने, राष्ट्रपति से माफी मिलने और देश छोड़कर भागने की बातें भी हुईं। नेतन्याहू का जिक्र करते हुए ब्लेयर ने तंज में कहा, 'कम से कम बीबी जीत गए। वह हमारी रक्षा करेंगे।" इस पर फैब्रिजियो ने कहा, "हां शायद हमें इजराइल में शरण मिल सकती है। डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन की 7 सीटें छीनीं:- एक साल पहले किसी को अंदाजा नहीं होगा कि रिपब्लिकन पार्टी की इतनी बड़ी हार होगी। पार्टी के पास चुनाव लड़ने के लिए रिकॉर्ड पैसा था। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति इलॉन मस्क का साथ था। उन्होंने इस चुनाव में राष्ट्रपति चुनाव से



भी ज्यादा पैसा लुटाया। सीनेट चुनाव में भी रिपब्लिकन पार्टी की स्थिति मजबूत थी। चुनावी समीकरण ऐसे थे कि डेमोक्रेट्स को उन राज्यों में मुकाबला करना पड़ रहा था, जहां वे दशकों से नहीं जीते थे। हाउस चुनाव में ट्रम्प ने अपना बहुमत बढ़ाने के लिए एक और दांव चला। अमेरिका में आमतौर पर हर 10 साल में चुनावी क्षेत्रों की सीमाएं बदली जाती हैं। लेकिन ट्रम्प की टीम ने इस परंपरा को तोड़ते हुए बीच दशक में ही सीमाएं बदलने की कोशिश की। मकसद था ऐसे नए चुनावी क्षेत्र बनाना, जहां रिपब्लिकन उम्मीदवारों की जीत आसान हो जाए। इन तमाम कोशिशों के बावजूद रिपब्लिकन पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इसे पिछले 50 साल में पार्टी की सबसे बड़ी चुनावी हार में से एक माना जा रहा है। इसकी तुलना 1974 के चुनाव से की जा रही है। उस समय वाटरगेट कांड के बाद रिपब्लिकन पार्टी ने प्रतिनिधि सभा की 48 और सीनेट की 4 सीटें गंवाई थीं। इस बार रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट की 7 सीटें गंवाई हैं। चुनाव से पहले सीनेट में उसके 53 सदस्य थे, जो घटकर 44 रह गए हैं। (2 सीटों पर गिनती जारी है)। वहीं, हाउस में भी पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है।

शुरुआती नतीजों में वह करीब 25 सीटें गंवाती दिख रही थी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक 45 सीटों पर मतगणना जारी थी। ईरान के खिलाफ जंग शुरू कर ट्रम्प ने अपना ही वादा तोड़ा:- चुनाव के नतीजे आने से पहले ही ट्रम्प सोचने लगे थे कि अगर कुछ फैसले नहीं लिए गए होते तो क्या होता।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग ला सकता हैं विपक्ष,सरकारी ताकत इस्तेमाल कर परिवार को अमीर बनाने का आरोप, एपस्टीन मामले की भी होगी जांच

वॉशिंगटन डीसी। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की



हार के बाद अब राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके जरिए उन्हें पद से हटाया जा सकता है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक डेमोक्रेट्स आरोप लगा रहे हैं कि ट्रम्प ने अपने पद का इस्तेमाल कर अपने करीबियों को फायदा पहुंचाया और संपत्ति जुटाई। इससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ा। डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा है कि वे यह पता लगाएंगे राष्ट्रपति रहते हुए ट्रम्प और उनके परिवार की संपत्ति कैसे बढ़ी। उनका फोकस ट्रम्प के बेटों और दामाद जेरेड कुशनर के कारोबारी सौदों पर है। गार्सिया ने जांच के लिए पांच मुद्दे तय किए हैं। इनमें ट्रम्प परिवार के कारोबारी सौदे, जेफ्री एपस्टीन मामले की जांच में ट्रम्प प्रशासन की भूमिका और अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी (आईसीई) की छापेमारी और कार्रवाई शामिल हैं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग में 7 की मौत,प्रदर्शनकारियों पर हमला किया- मरने वालों में बच्चे भी शामिल

रावलकोट। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट में गुरुवार को प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने फायरिंग की हैं। दूसरी जगहों पर चल रहे धरनों पर कार्रवाई की। पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के साथ ड्रोन से हमले भी किए।



इसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यू.के.पी.एन.पी) ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया। घटना को लेकर अभी तक पाकिस्तानी अधिकारियों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। तीन जगहों पर प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने का आरोप:- यू.के.पी.एन.पी के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने मटियालमेरा बस टर्मिनल, उमर फारूक चौक और रावलकोट की इस दौरान भारी मशीनगनों और बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। पीओके में 7 जून से अब तक 153 लोगों की मौत:- पीओके में 7 जून से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को 7 लोगों की मौत के बाद इस आंदोलन में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 153 हो गई है।

आंदोलन की शुरुआत स्थानीय लोगों के राजनीतिक अधिकारों और आर्थिक समस्याओं को लेकर हुई थी।

अब प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की वापसी और अपने नेताओं पर दर्ज मामलों को खत्म करने की मांग भी कर रहे हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

फ्रांस में सरकारी ब्लड बैंक का कूलिंग सिस्टम हैक,खून को 110डिग्री तक खौलाने की साजिश

इससे 1900 अस्पताल जुड़े; पहले 700 सुपर मार्केट हैक हुए

पेरिस। फ्रांस में हैकर्स ने 1 नवंबर की रात ब्लड बैंक के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम पर हमला किया। के ब्लड बैंक का संचालन करने वाली संस्था फ्रेंच ब्लड एस्टैब्लिशमेंट (ईएफएस) के



हमलावरों ने फ्रीजर का तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस से बढ़ाकर 110 डिग्री सेल्सियस तक करने की कोशिश की। हालांकि, अलार्म सिस्टम ने समय रहते गड़बड़ी पकड़ ली। इससे खून और प्लाज्मा के नमूनों को कोई नुकसान नहीं हुआ। फ्रांस के साप्ताहिक अखबार 'ले कनार आंचेने' ने बुधवार को सबसे पहले इस साइबर हमले की खबर दी थी। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक ब्लड स्टोरेज सिस्टम में प्रवेश के लिए डिफॉल्ट पासवर्ड का इस्तेमाल किया गया था। प्लाजमा को सुरक्षित जगह भेजा गया:-फ्रांस मुताबिक फ्रीजर में रखे प्लाज्मा को सुरक्षित दूसरी जगह भेज दिया गया है। ईएफएस ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज में लगे निगरानी और अलार्म सिस्टम ने तापमान में असामान्य बदलाव को तुरंत पकड़ लिया। इससे कर्मचारियों को समय रहते कार्रवाई करने का मौका मिल गया। ईएफएस फ्रांस की सरकारी रक्त सेवा है। यह देश वे 1,900 से ज्यादा अस्पतालों के लिए खून, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स इकट्ठा करने, उनकी जांच करने, उन्हें तैयार करने और अस्पतालों तक पहुंचाने का काम करती है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

यूरोप में 15 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद फ्रांस ने फाइटर जेट भेजे, इमरजेंसी लैंडिंग कराई,2 दिन में दूसरी धमकी

रोम। यूरोप में गुरुवार को 15 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें फिनलैंड, 7 फ्लाइट्स को धमकियां दी गई थीं। फिनलैंड से आने वाली फ्लाइट को फाइटर जेट ने सुरक्षा



इटली, फ्रांस, चेक गणराज्य और बुल्गारिया के विमान शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई विमानों का रास्ता बदलवाया, जबकि फ्रांस ने डबलिन से रोम जा रही फ्लाइट की सुरक्षा के लिए फाइटर जेट भेजे। विमान को फ्रांस के एंटू सैन्य एयरबेस पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें 151 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। अब तक किसी भी विमान में विस्फोटक नहीं मिला है। इस हफ्ते यूरोप में विमानों को धमकियां मिलने की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मंगलवार को भी करीब 10 विमानों को ऐसी धमकियां मिली थीं। वहीं सोमवार को ब्रिटेन में भी करीब दो:-हेलसिंकी से रोम जा रही फिनएयर की फ्लाइट को भी बम की धमकी मिली। इसके बाद इतालवी फाइटर जेट की निगरानी में विमान को रोम पहुंचाया गया।एयरपोर्ट पर बम निरोधक एक्सपर्ट्स ने इसकी तलाशी ली। इस घटना के चलते रोम के लियोनार्डो दा विंची एयरपोर्ट पर 30 मिनट तक उड़ानें रोकनी पड़ीं।वहीं, हेलसिंकी से वियना जा रही जेटटाइम की एक फ्लाइट को भी धमकी मिली थी। हालांकि, विमान ऑस्ट्रिया की राजधानी में सामान्य रूप से उतर गया।वॉरसॉ, बुखारेस्ट और ब्रसेल्स जा रही फ्लाइट्स भी निशाने पर:-आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

इजराइल में आइजनकोट के पीएम बनने का रास्ता साफ,अरब पार्टियों ने समर्थन दिया

तेल अवीव। इजराइल में पूर्व सेना प्रमुख और विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के साथ दो दिन की बातचीत के बाद 11 सांसदों वाली अरब पार्टियों की जाइंट लिस्ट ने उन्हें सरकार के बाहर से समर्थन दिया है। इससे उनके पास 67 सांसदों का समर्थन हासिल हो गया है, जो बहुमत से 6 ज्यादा है। वहीं, मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन में अब सिर्फ 46 सांसद रह गए हैं। नेतन्याहू की पुरानी सहयोगी अति-रूढ़िवादी पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडिज्म (यूटीजे) ने उनका समर्थन करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला था। अरब पार्टियों वे समर्थन से आइजेनकोट को सरकार बनाने का पहला मौका मिलने की संभावना मजबूत हुई है। जॉइंट लिस्ट गठबंधन को जानिए:-यह इजराइल की अरब आबादी के



अधिकारों की बात करने वाला राजनीतिक गठबंधन है। इसमें तीन अलग-अलग पार्टियां शामिल हैं। गठबंधन में अरब नेताओं के साथ यहूदी नेता भी हैं। हदाश: वामपंथी पार्टी है। अरब और यहूदी नागरिकों की समानता, मजदूरों के अधिकारों और फिलिस्तीन के साथ शांति की वकालत करती है। ताल: अहमद तिबी की पार्टी है। अरब नागरिकों के समान अधिकार, शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों और फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना का समर्थन करती है। बलद: अरब राष्ट्रवादी विचारधारा वाली धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। इजराइल को ऐसा देश बनाने की वकालत करती है, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलें।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..















हिगिनबॉटम इंग्लिश मीडियम स्कूल, हर्रही प्रयागराज द्वारा विद्यालय के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। हिगिनबॉटम इंग्लिश मीडियम स्कूल, हर्रही प्रयागराज द्वारा विद्यालय के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2026 का आयोजन आज दिनांक 06.11.2026 को विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में प्रो0 (डा0) रीतू प्रकाश दूबे, चेयरपर्सन, रूरल एजूकेशन कांउसिल, शुआट्स, प्रयागराज ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अपने कर-कमलों द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यदि हम अभी से अपने जीवन में खेलकूल को महत्व देगें तो भविष्य में हमारा शरीर स्वस्थ्य एवं निरोगी रहेगा और हम यदि किसी भी खेल को अपना लक्ष्य बनाते हैं तो राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा जिससे हम अपने स्कूल, अपने परिवार एवं अपने देश का नाम विख्यात कर सकते हैं एवं आगे चलकर हमारा भविष्य भी उज्जवल होगा। खेलकूद को अपने जीवन में अपनाकर उसके माध्यम से देश सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। रूरल एजूकेशन कांउसिल के निदेशक डा0 प्रवीन चरन भी उपस्थित थे उन्होनें भी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि अध्ययन के साथ-साथ खेलकूद का हमारे जीवन में बहुत महत्व है यदि हम निरन्तर खेलकूद करते रहेगें तो अधिकतम बीमारियों से बचे रहेगें एवं अपने शरीर का बेहतर ध्यान दे सकेगें तथा खेलकूद के माध्यम से अपने जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं। आज के आधुनिक दौड़ में मोबाइल, कम्प्यूटर आदि को खेलने से बचे तथा जो हमारे खेल एक साथ टोली बनाकर खेले जाते थे उससे आपस में प्रेम, मित्रता और एक-दूसरे को जानने और आपस में संवाद करने से ज्ञान का आदान-प्रदान भी होता था। बच्चे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं एक दूसरे से बात करके एक दूसरे को समझते थे, जीवन में खेलों का बहुत महत्व है। पढ़ाई-लिखाई के साथ और उन्होनें कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डा0 अब्दुल कलाम जी ने कहा कि बच्चों खुली हुई आँखों से सपना देखो जो कुछ बनना चाहते हो उसके लिए मेहनत करनी चाहिये चाहे खेल में हो या पढ़ाई हो तथा अपने देश की उन्नति में भी सहभागिता कर सकते हैं।





वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2026 के अवसर पर छात्रों द्वारा कबड्डी, खो-खो, लंगड़ी टांग, 100 मी0 दौड़, बैडमिंटन, बॉलीबॉल, रस्सी कूद, भाला फेंक आदि खेलों में अपनी-अपनी प्रतिभायें प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम में रूरल एजूकेशन कांउसिल के कॉर्डिनेटर बृजेश राजा एवं प्रधानाध्यापिका डा0 केलुंगजैटसाइले त्रिंग, उप-प्रधानाध्यापिका ग्रेस प्रकाश, सहायक शिक्षक अनीता मसीह, हेमा सिंह, प्रीति जमातिया, स्टेफिलिस लिहदोह, आइहुन एल. नोंगप्री, अनीशा रमन, अनूप लाल, अमित आदि उपस्थित थे।

बॉयज़ हाई स्कूल एंड कॉलेज ने 5 नवंबर मनाया 165वां संस्थापक दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के प्रतिष्ठित बॉयज़ हाई स्कूल एंड कॉलेज ने 5 नवंबर 2026 को अपना 165वां स्थापना दिवस मनाया। प्रिंसिपल 'डेविड ल्यूक' के साथ विद्यालय परिवार ने इस खास अवसर पर संस्थान की गौरवशाली विरासत और उपलब्धियों का जश्न मनाया। वर्ष 1861 में स्थापित यह संस्थान 165 वर्षों से शिक्षा, अनुशासन और चरित्र निर्माण की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। विद्यालय से पास आउट तमाम परिष्कृत दिग्गजों ने देश के विभिन्न स्थानों पे अपनी अपनी कमान संभाल रखी हैं। पूर्व विद्यार्थियों ने भी अपने संस्थान के प्रति गर्व जताते हुए कहा कि BHS ने उन्हें शिक्षा के साथ व्यक्तित्व निखारने और जीवन में आगे बढ़ने की सीख दी है। उनको ध्येय रहता हैं:- we have not just built a school, we have built generations. The legacy of knowledge, discipline and character continues,Once a BHSian, Always a BHSian!

रबी सीजन 2026-27 में किसानों को 50फीसदी अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा प्रमाणित एवं आधारीय बीज

चयनित किसानों को एसएमएस प्राप्त होने के बाद राजकीय कृषि बीज भण्डारों से बीज करें प्राप्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने जनपद के कृषक बन्धुओं को सूचित किया है कि रबी सीजन 2026-27 के अन्तर्गत जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में स्थापित राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर सभी रबी फसलों के प्रमाणित एवं आधारीय बीजों की बुकिंग प्रक्रिया 10 जुलाई 2026 से प्रारम्भ की गई थी। बुकिंग प्रक्रिया के उपरान्त चयनित किसानों को उनके पंजीकृत मोबाइल नम्बर पर एसएमएस के माध्यम से सूचना भेजी गई है। उन्होंने बताया कि जिन कृषकों को चयन सम्बन्धी एसएमएस प्राप्त हुआ है, वे ही अपने सम्बन्धित राजकीय कृषि बीज भण्डार पर पहुंचकर बुकिंग में चयनित बीज क्रय करना सुनिश्चित करें। बीज 50 प्रतिशत अग्रिम अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। बीज का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से अनुदान की धनराशि घटाकर किया जा रहा है। उन्होंने बताया है कि रबी बीजों की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति के अनुसार गेहूँ की 9478.50 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 5907.86 कुंतल, जौ की 144.60 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 32 कुंतल, चना की 149.04 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 100.48 कुंतल, मटर की 33 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 33 कुंतल, मसूर की 21.76 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 11.24 कुंतल, राई/सरसों की 162.48 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 101.15 कुंतल तथा तोरिया की 23.50 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 23.50 कुंतल बीज है। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी विकास खण्डों में गेहूँ बीज की उपलब्धता एवं वितरण की व्यवस्था की गई है। गेहूँ बीज की उपलब्धता एवं वितरण की विकास खण्डवार स्थिति इस प्रकार है। अमावां में 674 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 351 कुंतल, बछरावां में 220 के सापेक्ष 147.70 कुंतल, छतोह में 376.80 के सापेक्ष 300.52 कुंतल, डलमऊ में 394.40 के सापेक्ष 223 कुंतल, डीह में 616.70 के सापेक्ष 541.10 कुंतल, दीनशाह गौरा में 216.80 के सापेक्ष 203.80 कुंतल, हरचन्दपुर में 724.80 के सापेक्ष 401.80 कुंतल, जगतपुर में 294.20 के सापेक्ष 197.20 कुंतल, खीरों में 200 के सापेक्ष 152.40 कुंतल, लालगंज में 545 के सापेक्ष 474.60 कुंतल, महराजगंज में 809.40 के सापेक्ष 659.89 कुंतल, राही में 538.40 के सापेक्ष 401.20 कुंतल, रोहनियां में 135.20 के सापेक्ष 103 कुंतल, सलोन में 693.80 के सापेक्ष 443 कुंतल, सरेनी में 390 के सापेक्ष 294.40 कुंतल, सतांव में 570 के सापेक्ष 416.80 कुंतल, शिवगढ़ में 310 के सापेक्ष 310 कुंतल तथा ऊंचाहार में 481 कुंतल उपलब्धता के सापेक्ष 286.65 कुंतल गेहूँ बीज है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि गेहूँ की अधिकतम उत्पादन देने वाली उन्नतशील प्रजातियों डीबीडब्ल्यू-187, डीबीडब्ल्यू-222, डीबीडब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू-327 एवं पीबीडब्ल्यू-343 का आवंटित स्रोतों से उठान कर राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिन किसानों को बीज वितरण किया जा रहा है, उनका चयन बुकिंग/ई-लॉटरी के माध्यम से पूर्व में ही किया जा चुका है। चयनित न होने वाले किसानों को अनुदानित बीज का वितरण अनुमन्य नहीं है। उन्होंने बताया कि एक कृषक को अधिकतम 2.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए अनुदानित बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

गेहूँ बीज का वितरण 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से किया जा रहा है तथा 40 किलोग्राम गेहूँ बीज एक एकड़ क्षेत्रफल की बुवाई के लिए पर्याप्त है।

सम्बन्धित बीज भण्डार प्रभारियों एवं क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा कृषकों को उन्नतशील नवीन प्रजातियों के प्रमाणित एवं आधारीय बीजों का निर्धारित मानक से अधिक मात्रा में प्रयोग न करने के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए आवश्यक तकनीकी जानकारी भी दी जा रही है। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के चयनित कृषक बन्धुओं से अपील की है कि एसएमएस प्राप्त होने के उपरान्त अनावश्यक विलम्ब न करते हुए सम्बन्धित राजकीय कृषि बीज भण्डार से सम्पर्क स्थापित कर अपना चयनित बीज प्राप्त कर लें, जिससे आगामी रबी फसलों की बुवाई समय से सुनिश्चित की जा सके।



प्रदेशीय महिला तैराकी एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का भव्य समापन, लखनऊ मंडल ने टेबल टेनिस में मारी बाजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला खेल कार्यालय, पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, रायबरेली में 04 एवं 05 नवम्बर 2026 को आयोजित दो दिवसीय प्रदेशीय महिला तैराकी एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न मंडलों से आई महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। तैराकी प्रतियोगिता में 09 मंडलों तथा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में 10 मंडलों की टीमों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेश तैराकी संघ, लखनऊ के निदेशक राबिन कपूर द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खेल के क्षेत्र में निरंतर मेहनत, अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रथम तैराकी प्रतियोगिता के परिणामः-तैराकी प्रतियोगिता में विभिन्न स्पर्धाओं के अंतर्गत खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 400 मीटर फ्री स्टाइल महिला वर्ग में मेरठ मंडल की आरोही राय ने प्रथम, वाराणसी की रिया पटेल ने द्वितीय तथा लखनऊ की अंशिका गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में वाराणसी की श्वेता साहनी प्रथम, गोरखपुर की अंजली चौहान द्वितीय तथा लखनऊ की इनाया कौशिक तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर बैक स्ट्रोक में लखनऊ की दिव्या चौहान ने प्रथम, बरेली की अनुश्री करमाकर ने द्वितीय तथा लखनऊ की अशिका यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बटरफ्लाई महिला वर्ग में लखनऊ की परी तिवारी प्रथम, वाराणसी की गायत्री द्वितीय तथा लखनऊ की शिवी तिवारी तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर फ्री स्टाइल में मेरठ की अदित्री राय ने प्रथम, बरेली की रोजिल खान ने द्वितीय तथा लखनऊ की परी तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400×100 मीटर मिडले रिले महिला वर्ग में वाराणसी मंडल की टीम में अनुष्का, श्वेता, गायत्री व रिया पाटिल प्रथम, लखनऊ मंडल की टीम में दिव्या चौहान, इनाया, शिवी व परी द्वितीय तथा गोरखपुर मंडल की टीम में स्मृति तिवारी, अंजली चौहान, शीतल निषाद व अंजनी कनौजिया तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 200 मीटर फ्री स्टाइल में मेरठ की आस्त्रिी राय प्रथम, वाराणसी की अनुष्का केसारी द्वितीय तथा वाराणसी की रिया पटेल तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में लखनऊ की इनाया कौशिक प्रथम, लखनऊ की अंशिका यादव



द्वितीय तथा वाराणसी की श्वेता साहनी तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर बैक स्ट्रोक में लखनऊ की दिव्या चौहान प्रथम, वाराणसी की अनुष्का केसारी द्वितीय तथा लखनऊ की शिवी तिवारी तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में मेरठ की आरोही राय प्रथम, वाराणसी की गार्गी द्वितीय तथा गोरखपुर की अंजली कनौजिया तृतीय स्थान पर रहीं।400×100 मीटर फ्री स्टाइल रिले महिला वर्ग में वाराणसी मंडल की टीम में अंकित चौहान, शीतल निषाद, काजल चौहान व दीपिका प्रथम, गोरखपुर मंडल की टीम में अनुष्का केसारी, रिया पटेल, श्वेता साहनी व गायत्री द्वितीय तथा लखनऊ मंडल की टीम में शिवी तिवारी, अंशिका गुप्ता, दिव्या चौहान व अंशिका चौहान तृतीय स्थान पर रही।प्रदेशीय महिला टेबल-टेबिल प्रतियोगिता 04 नवम्बर को प्रारम्भ हुई जिसमें पहला मैच चित्रकूट मण्डल एवं सरहानपुर के बीच खेल गया जिसमें चित्रकूट 03-01 से विजयी रहा। दूसरा मैच वाराणसी मण्डल एवं मेरठ मण्डल के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी 03-01 से विजयी रहा। क्वाटर फाइनल मैच प्रथम-लखनऊ बनाम सरहानपुर के मध्य हुआ जिसमें 03-01 से लखनऊ विजेता दूसरा अयोध्या बनाम आगरा के मध्य हुआ जिसमें 03-0 से आगरा विजेता तीसरा प्रयागराज बनाम वाराणसी के मध्य हुआ जिसमें 03-0 से प्रयागराज विजेता चौथा कानपुर बनाम मिर्जापुर के मध्य हुआ जिसमें 03-0 से कानपुर विजेता। पहला सेमीफाइनल मैच लखनऊ बनाम आगरा मण्डल के मध्य हुआ जिसमें 03-0 से लखनऊ विजेता। दूसरा सेमीफाइनल मैच प्रयागराज बनाम कानपुर मण्डल के मध्य हुआ जिसमें 03-0 से प्रयागराज विजेता। फाइनल मैच 05 नवम्बर को लखनऊ मण्डल एवं प्रयागराज के मध्य खेला जायेगा। इसी प्रकार युगल वर्ग में लखनऊ प्रयागराज, आगरा, अयोध्या ने अपने प्रथम दौर के मैच जीत कर अगले दौर में प्रवेश किया। जिसमे कि आज खेले गये मैच का परिणाम इस प्रकार है। सेमीफाइनल मैच डबल्स में साक्षी/स्वास्ती लखनऊ बनाम विशाखा / वैष्णवी प्रयागराज के मध्य खेला गया जिसमें कि 03-01 के अन्तर से लखनऊ मण्डल ने जीत दर्ज की। इसी प्रकार दूसरा सेमीफाइनल मैच में वार्तिका /भागर्वी लखनऊ बनाम शालनी/आरना प्रयागराज के बीच खेल गया। जिसमें 03-0 से लखनऊ मण्डल ने जीत दर्ज की है। फाइनल मैच साक्षी/स्वस्ती लखनऊ मण्डल बनाम वर्तिका/भागर्वी लखनऊ मण्डल के मध्य खेला गया जिसमें वर्तिका/भागर्वी लखनऊ मण्डल ने 03-0 से जीत कर विजेता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। और तृतीय स्थान के लिए हुऐ मुकबले में विशाखा/वैष्णवी प्रयागराज ने शालनी/आरना प्रयागराज को 03-0 हराया। एकल वर्ग में श्वती चन्द्रा लखनऊ ने कडे मुकाबले में वर्तिका सिंह लखनऊ को 03-02 से हरकार विजेता रही। विशाखाराज प्रयागराज ने भागर्दी लखनऊ को 03-0 हरा कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। तैराकी प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में शिवम कपूर, राबिन कपूर, प्रदीप कुमार चौहान, नीरज मिश्रा, शिवानी दीक्षित, रामआसरे यादव, हिमांशु तिवारी, अभिषेक तिवारी, सुबोध मिश्रा एवं आकांक्षा मिश्रा ने दायित्व निभाया। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में साक्षी मौर्या, अर्पिता, पूर्वा, अंजली, अभिषेक सिंह, आन्या, पूजा यादव एवं आँचल सिंह ने अपनी भूमिका निभाई। इस अवसर पर राकेश कुमार, क्रीड़ाधिकारी बाराबंकी एवं निदान कर्ता अधिकारी खेल विभाग उत्तर प्रदेश, लखनऊ लक्ष्मीकान्त शुक्ला, जिला ओलंपिक संघ रायबरेली श्वेता वर्मा, मुन्ना लाल साहू, करन सिंह, डॉ. एस.एम. सिंह, राजीव अग्रवाल, अशोक कुमार, मो. इयाज, जे.पी. श्रीवास्तव, अजय चन्देल, मो. अनीस तथा राजेश सिंह सहित अनेक वरिष्ठ खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।प्रतियोगिता का संपूर्ण संचालन क्रीड़ाधिकारी जिला खेल कार्यालय रायबरेली धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम द्वारा किया गया। अंत में उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों, निर्णायकों, अतिथियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय ग्राम शिल्प महोत्सव में वैष्णवी क्लासेस के बच्चों ने पेश की शानदार प्रस्तुति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज की पावन धरती पर आयोजित 'राष्ट्रीय ग्राम शिल्प महोत्सव' में वैष्णवी क्लासेस एंड पीसीएस प्ले स्कूल के नन्हे-मुन्ने और प्रतिभावान बच्चों ने अपनी मनमोहक और शानदार प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।





यह भव्य कार्यक्रम आदरणीय प्रभाकर तिवारी सर, वैष्णवी क्लासेस के डायरेक्टर विनीत सर, एमडी अखिल सर और सीईओ इंजीनियर अखिलेश यादव जी के कुशल मार्गदर्शन एवं गरिमामयी उपस्थिति में सफलतापर्वक संपन्न हुआ। हम हृदय से धन्यवाद देना चाहते हैं दत्ता सर का, जिन्होंने इतने विशाल स्तर पर इस अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया और हमारे बच्चों को अपनी कला व प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक स्वर्णिम अवसर प्रदान किया।

नोएडा लोक मंच ने पारंपरिक उत्साह एवं आपसी प्रेम के साथ मनाया दीपावली मिलन समारोह, विभिन्न सेवा प्रकल्पों और स्कूली बच्चों के बीच बांटी मिठाइयाँ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दीपावली के शुभ अवसर



पर आज नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी, सेक्टर-15 में नोएडा लोक मंच की ओर से आत्मीय एवं पारंपरिक दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। काफी वर्षों के अंतराल के बाद इस तरह का पारंपरिक उत्सव पूरे उत्साह, उमंग और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नोएडा लोक मंच के जनरल सेक्रेटरी महेश सक्सेना, ट्रेजरर श्रीमती विभा बंसल, एग्जीक्यूटिव जनरल सेक्रेटरी विनीत गर्ग तथा मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा समिति की सचिव श्रीमती लीका सक्सेना उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि श्रीमती लीका सक्सेना अपनी अस्वस्थता के बावजूद विशेष रूप से इस आयोजन में शामिल होने पहुंचीं। संगठन के प्रति उनका यह जुड़ाव और समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। समारोह के दौरान नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी के सभी सहकर्मियों के साथ आत्मीय संवाद किया गया। आपसी सहयोग, टीम भावना और संगठन के प्रति समर्पण को लेकर विचार साझा किए गए। नोएडा लोक मंच की ओर से सभी सहकर्मियों को मिठाई एवं दीपावली का उपहार भेंट किया गया।इस अवसर पर दीपावली की खुशियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नोएडा लोक मंच की टीम ने संस्था के विभिन्न सामाजिक सेवा प्रकल्पों का भी दौरा किया। संस्कार अध्ययन केंद्र, अंतिम निवास एवं दवा बैंक में पहुंचकर वहां उपस्थित लोगों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया।इसके अतिरिक्त सेक्टर-15 स्थित ज्ञानश्री स्कूल के लगभग 200 बच्चों के बीच भी मिठाइयां बांटी गईं। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह ने दीपावली के इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया। इस अवसर पर नोएडा लोक मंच के सदस्यों एवं टीम ने यह संकल्प लिया कि आने वाले समय में भी इसी उत्साह, प्रेम, आपसी सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा के साथ समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। संगठन का उद्देश्य केवल त्योहार मनाना नहीं, बल्कि खुशियों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना और मिलकर कुछ बेहतर करने की भावना को मजबूत करना है।

रोशनी के पर्व पर सेवा ही सच्ची पूजाः आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने अपने अंचल के कर्मयोगियों के संग मनाई अनूठी दीपावली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। नोएडा दीपावली



केवल दीपों का ही नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने और हर चेहरे पर मुस्कान बिखेरने का पावन पर्व है। इसी भाव को चरितार्थ करते हुए आज आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी समिति, सेक्टर 105 ने अपने क्षेत्र को संवारने वाले असल प्रहरियों-सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा गार्डों, उद्यान विभाग, जल एवं सीवर विभाग के समर्पित कर्मियों के साथ दीपावली का पावन पर्व अत्यंत आत्मीयता के साथ मनाया। सेक्टर की सुख-शांति, स्वच्छता और सुचारू व्यवस्था के लिए निरंतर समर्पित इन कर्मयोगियों को जब दीपावली उपहार दिए गए, तो उपहार लेने वाले सभी कर्मियों के चेहरों पर जो असीम प्रसन्नता और संतुष्टि छलक उठी, उसने इस आयोजन को सचमुच अलौकिक बना दिया। ?इस हृदयस्पर्शी कार्यक्रम के दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने भावुक शब्दों में कहा कि कड़ाके की ठंड हो या चिलचिलाती धूप, जो हाथ हमारे सेक्टर की सुरक्षा, स्वच्छता और जल एवं सीवर जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं को संभालने के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, उनके साथ खुशियां बांटना ही हमारा सबसे बड़ा धर्म और सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि असली दीपावली तभी सार्थक होती है



जब समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े मेहनतश इंसान के घर में भी उल्लास का दीप जले। ?कार्यक्रम में उपस्थित उपाध्यक्ष श्रीमती रानी गौतम ने कहा कि इन कर्मियों की निष्ठा और सेवाभाव के आगे कोई भी उपहार छोटा है, और इनके चेहरे की यह प्रसन्नता हमारे लिए किसी बड़े आशीर्वाद से कम नहीं है। महासचिव राजीव दुबलिश ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 परिवार इन सभी कर्मयोगियों को केवल कर्मचारी नहीं बल्कि अपने परिवार का अभिन्न हिस्सा मानता है। ?इस अवसर पर कोषाध्यक्ष श्री सुरेश बंसल जी और संयुक्त सचिव अनिल भदौरिया जी ने कहा कि इन मेहनतकश साथियों की बदौलत ही हमारा सेक्टर नोएडा में एक आदर्श आवासीय क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। कार्यकारिणी सदस्य उमेश माथुर, हरीश पालीवाल और महेश चौहान जी ने भी सभी को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि सेवा और समर्पण का यह समन्वय हमारे शहर में एक अनूठी मिसाल कायम कर रहा है।

जब इन सेवाकर्मियों ने सम्मान और स्नेह के साथ उपहार स्वीकार किए, तो उनकी चमकती आंखें और मुस्कुराते चेहरे इस बात की गवाही दे रहे थे कि सच्चा पर्व वही है जहां अपनों के साथ-साथ हर जरूरतमंद और कर्मयोगी का जीवन भी रोशन हो सके। आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 की इस संवेदनशील और मानवतावादी पहल ने पूरे नोएडा शहर में यह सशक्त संदेश दिया है कि यदि इंसानियत और कृतज्ञता के भाव से उत्सव मनाए जाएं, तो समाज का कोना-कोना प्रेम और प्रकाश से भर उठता है।

प्रयागराज में 4 घंटे चली एंटी रॉयट मॉक ड्रिल,पथराव और बवाल से निपटने की तैयारी परखी

प्रयागराज। त्योहार पर अगर अचानक बवाल हो जाए और सड़कों पर पथराव शुरू हो जाए तो पुलिस कैसे मोर्चा संभालेगी? उपद्रवियों को कैसे काबू करेगी और हालात बिगड़ने पर क्या रणनीति अपनाएगी? इन सवालों को परखने के लिए शुक्रवार को पुलिस लाइन में चार घंटे तक बड़ा सुरक्षा अभ्यास किया गया।पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया के नेतृत्व में हुई एंटी रॉयट मॉक ड्रिल में पुलिसकर्मियों ने पथराव कर रहे दंगाइयों से निपटने और भीड़ को नियंत्रित करने का अभ्यास किया। रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान दंगा नियंत्रण की तैयारियों को परखा गया। पुलिसकर्मियों को ऐसी परिस्थितियों से निपटने का अभ्यास कराया गया, जिनमें अचानक भीड़ उग्र हो जाए और पथराव शुरू कर दे। करीब चार घंटे तक चले इस अभ्यास में पुलिस की रणनीति, मुस्तैदी और आपसी समन्वय का परीक्षण किया गया। इस दौरान एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजयपाल शर्मा समेत कमिश्नरेट के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों की फिटनेस भी देखी:-मॉक ड्रिल के बाद पुलिस कमिश्नर ने रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इसके बाद टोलीवार परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों के टर्नआउट, अनुशासन और कार्यकुशलता का जायजा लिया गया। परेड में पुलिसकर्मियों को दौड़ कराई गई और टोलीवार ड्रिल के माध्यम से उनकी शारीरिक दक्षता एवं अनुशासन को परखा गया। मेस से लेकर शस्त्रागार तक का निरीक्षणः-परेड के बाद पुलिस कमिश्नर ने पुलिस लाइन स्थित मेस का निरीक्षण किया। यहां भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई की व्यवस्था देखी। इसके बाद पुलिस लाइन कार्यालय, कैंटीन और गणना कार्यालय का निरीक्षण किया। एमटी शाखा और परिवहन शाखा में वाहनों के रखरखाव और उनकी कार्यशीलता की जानकारी ली। शस्त्रागार का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध संसाधनों और व्यवस्थाओं को देखा गया। वहीं, डायल-112 के वाहनों की स्थिति और उनकी कार्यशीलता भी परखी गई। पुलिस कमिश्नर ने संबंधित शाखाओं के अभिलेखों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, पुलिस उपायुक्त नगर, गंगानगर, यमुनानगर और यातायात समेत अपर पुलिस उपायुक्त नगर, गंगानगर और यमुनानगर सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कर भावविभोर हुए 15 रेलकर्मी,अयोध्या भ्रमण,धार्मिक यात्रा से मिली नई ऊर्जा और सुकून

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के



लखनऊ मंडल ने रेलकर्मियों के कल्याण और उनके मानसिक एवं सामाजिक उत्थान की दिशा में एक सराहनीय पहल की है। मंडल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राजेश कुमार गुप्ता के निर्देशन में कर्मचारी कल्याण निधि के अंतर्गत लखनऊ परिक्षेत्र के रेलकर्मियों के लिए अयोध्या भ्रमण शिविर का आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा में 51 रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। भ्रमण के दौरान रेलकर्मियों ने अयोध्या धाम पहुंचकर भव्य श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम के दर्शन-पूजन किए। इसके बाद सभी ने हनुमानगढ़ी मंदिर में पहुंचकर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक यात्रा के क्रम में प्रतिभागियों ने लता चौक तथा पवित्र सरयू नदी के तट पर स्थित रामघाट का भी भ्रमण किया। अयोध्या की आध्यात्मिक छटा, मंदिरों की भव्यता और सरयू तट के शांत वातावरण ने रेलकर्मियों को आध्यात्मिक आनंद के साथ आत्मिक शांति का अनुभव कराया। रोजमर्रा की व्यस्त ड्यूटी और कार्यस्थल की जिम्मेदारियों से इतर इस भ्रमण ने कर्मचारियों को आपसी मेलजोल और आनंद के यादगार पल भी दिए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि इस भ्रमण शिविर का उद्देश्य रेलकर्मियों को देश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ ही कार्यस्थल के तनाव को कम करना तथा आपसी सामाजिक जुड़ाव और टीम भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के सर्वांगीण कल्याण के लिए इस तरह के आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कल्याणकारी कार्यक्रमों से कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। इससे उन्हें कार्यक्षेत्र में नई प्रेरणा और उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में मदद मिलती है। इस आशय की जानकारी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

वार्षिक संगीत कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज । सेंट जॉन्स को-एड स्कूल में 4 और 5 नवंबर 2025 को आयोजित वार्षिक समारोह



और पुरस्कार वितरण समारोह सफल प्रथम दिन बहुत ही रंगारंग पूर्ण ढंग से किया गया जिसमें प्रधानाचार्य महोदय ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और माता-पिता और अभिभावकों के सहयोग करने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया.यह कार्यक्रम हमारे छात्रों और कर्मचारियों की विविध प्रतिभाओं और कड़ी मेहनत का एक शानदार प्रदर्शन था,'कार्यक्रम का विषय, जैसे, धरती माता का संरक्षण' विषय पर आधारित यह समारोह एक शानदार सफलता थी, जिसमें छात्र, अभिभावक, शिक्षक और सम्मानित अतिथि एक साथ आए। शाम का मुख्य आकर्षण जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाले शास्त्रीय नृत्य, ऊर्जावान समूह प्रदर्शन, भावपूर्ण संगीत प्रस्तुतियाँ और एक विचारोत्तेजक नाटक शामिल था, जिसने महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश दिए। इस कार्यक्रम में हमारे प्रधानाचार्य द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुति और पूरे वर्ष शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करने के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह भी शामिल था। सजावट, प्रकाश व्यवस्था और समग्र व्यवस्था की सभी उपस्थित लोगों ने बहुत सराहना की।प्रधानाचार्य के द्वारा विद्यालय की मेधावी छात्रों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई इस अवसर पर विद्यालय के विजेता हाउस की शील्ड ग्रीन हाउस को प्रदान किया इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों अभिभावकों और उनके माता-पिताओं का उत्साह देखने लायक था सभी ने विद्यालय के छात्रों



द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा किया और विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा छात्रों को दिए गए आशीष और उनको छात्रवृत्ति के रूप में पारितोषिक देने पर बहुत प्रशंसा किया इस अवसर पर विद्यालय की तरफ से मीडिया प्रभारी को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्री नर्सरी से 12वीं तक के छात्रों ने अपने नाटकों गानों और अपने नृत्य कला से सभी का मन मोह लिया। अभिभावकों ने भी लोगों को बताया कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में सेंट जॉन' को एड नैनी क्षेत्र में सर्वोत्तम है और वह विद्यार्थियों के हित के लिए कभी भी कोई समझौता नहीं करता है और उनके सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत है.छात्रों को मंच पर प्रदर्शन करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और सभी छात्रों ने टीम वर्क कौशल दिखाया.स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। यह कार्यक्रम स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया, जिसे रंग-बिरंगे बैनरों और गुब्बारों से खूबसूरती से सजाया गया था। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने नृत्य, नाटक और संगीत जैसे विविध कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. इसमें मीडिया जगत के डेटा एक्सपर्ट न्यूज़ के मुख्य संवाददाता अजय गुप्ता. सुधांशु शर्मा को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल - रयान इनिस मुख्य अतिथि-अनुपम लाल, रॉबिन डिसूजा, श्रीमती जीन इनिस, रोजर रेबिएरो, संदेश, टायरिल जेम्स स्टाफ-श्रीमती रत्ना गुप्ता, श्रीमती डीओन रेबेरो, श्रीमती एमबीजोहरी, श्रीमती बैशाखी, श्रीमती नलिनी शुक्ला, श्रीमती माया शर्मा, अजय नायक, अनवर खान, आनंद द्विवेदी, हिमांशु, नवीन, कुशवाहा, श्रीमती सोनिका अमित रॉय, श्री शहबाज़, राकेश,श्रीमती मर्सी रॉबिन, सुधांशु शर्मा श्रीकांत शाह. अजय गुप्ता., आनंद द्विवेदी. हिमांशु. रमेश चौबे. अमित. संजय सिंह.राहुल कुशवाहा. हज़ारी लाल।

नीमा के सौजन्य से धन्वंतरि दिवस का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 51 में नीमा



नोएडा (नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसियेशन) के द्वार धन्वन्तरि दिवस का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया गया । पुराण के अनुसार समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि जी का अवतरण हुआ था जिस कारण धनतेरस को मनाया जाता है, भगवान धन्वंतरि जी देवताओं के चिकित्सक थे, इस दिन को विशेष रूप से सभी चिकित्सक धन्वंतरि दिवस के उपलक्ष्य में धूमधाम से मानते है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नोएडा के भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान ,मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ,शहरी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ प्रसनजीत मैत्रा, नीमा नोएडा के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, संरक्षक डॉ बी पी सिंह, डॉ मुकेश गुप्ता ,डॉ सुनीता चौधरी, डॉ प्रशांत, डॉ कपिल त्यागी, डॉ वंदना ,डॉ अक्षय चौहान डॉ भोज राज सिंह ,डॉ स्नेह लता, डॉ अशोक सिंह ,डॉ रमेश छाबड़ा ,डॉ हेमलता सोनी , समस्त नीमा नोएडा के सदस्य गण व मुलतानी फार्मा के सभी सदस्य वहा उपस्थित रहे।

फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन में दिवाली मेले के साथ मनाया गया ऑक्यूपेशनल थेरेपी डे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन



में दिवाली मेले एवं ऑक्यूपेशनल थेरेपी डे का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के उपाध्यक्ष श्री वीरेंद्र दत्त सेमवाल रहे। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया और उनकी प्रतिभा एवं मेहनत की सराहना की। इस अवसर पर बच्चों ने सुंदर दीये, मोमबत्तियां और दिवाली तोरण बनाए। बच्चों एवं अभिभावकों के लिए रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। फाउंडेशन की प्रबंध निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव ने ऑक्यूपेशनल थेरेपी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह बच्चों में दैनिक जीवन के कौशल, आत्मनिर्भरता और कार्यक्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में एमिटी विश्वविद्यालय के ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग के छात्र भी उपस्थित रहे।

यह आयोजन बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने का एक सार्थक प्रयास रहा।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की सूची का अंतिम प्रकाशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों एवं निर्धारित गाइडलाइन के अनुपालन में जनपद रायबरेली के सभी छः विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों का सम्भाजन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-25 के अंतर्गत किया गया है। मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्धारित समय-सारिणी के क्रम में जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 177-बछरावां (अ0जा0), 179-हरचन्दपुर, 180-रायबरेली, 181-सलोन (अ0जा0), 182-सरेनी एवं 183-ऊंचाहार के मतदेय स्थलों की सूचियों का अंतिम प्रकाशन 05 नवम्बर 2026 को कर दिया गया है।

अंतिम प्रकाशित मतदेय स्थलों की सूचियां संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालयों (तहसील कार्यालयों), जिला निर्वाचन कार्यालय, रायबरेली तथा जनपद की आधिकारिक वेबसाइट http://raebareli.nic.in पर जनसामान्य के निःशुल्क निरीक्षण हेतु उपलब्ध हैं।

धनतेरस एवं दिवाली पर्व को लेकर प्रयागराज पुलिस अलर्ट, ड्रोन कैमरों से हो रही निगरानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में धनतेरस एवं दिवाली पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से प्रयागराज पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रोन कैमरों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में निगरानी की जा रही है। आसमान से चुपके-चुपके नजर रख रहे ड्रोन कैमरे सुरक्षा व्यवस्था का अहम हिस्सा बने हुए हैं।धनतेरस एवं दिवाली के मद्देनजर शहर के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

भतीजे से अवैध संबंध में महिला की चेहरा कूचकर हत्या-सिलबट्टे से वार किए,3 दिन पहले मायके से लौटी थी

प्रयागराज। प्रयागराज में पति ने पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने सिलबट्टे से पत्नी का चेहरा कुचल दिया। उसके चेहरे, दोनों आंखों और माथे पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात गुरुवार रात 2:30 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया- उसकी पत्नी का भतीजे से अफेयर था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़ा होता था। घटना पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र की है। पूरामुफ्ती के मंदरा गांव में सुमन कुमार पत्नी बिजमा देवी (28) के साथ



रहता था। दोनों की शादी 10 साल पहले हुई थी। बिजमा कौशांबी के चरवा थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव की रहने वाली थी। उनके तीन बच्चे हैं। बड़ी बेटी चार साल की है। बाकी दो बच्चों की उम्र तीन और दो साल है। रात 2:30 बजे मिली हत्या की सूचनाः-गुरुवार रात करीब 2:30 बजे डायल-112 पर हत्या की सूचना मिली। बताया गया कि मंदरा गांव में एक महिला की घर के अंदर हत्या कर दी गई है। सूचना पर पहले डायल-112 की टीम पहुंची। इसके बाद पूरामुफ्ती पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर महिला का खून से लथपथ शव पड़ा था। पुलिस ने मौके की घेराबंदी की। जांच शुरू की और शक के आधार पर पति सुमन कुमार को हिरासत में ले लिया। तीन दिन पहले ही मायके से लौटी थी महिलाः- पुलिस की शुरुआती जांच में पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद की बात सामने आई है। आरोपी पति सुमन कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी का उसके भतीजे से अवैध संबंध था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़ा होता था। आरोपी ने बताया कि बुधवार रात भी उसकी पत्नी उस युवक से मिली थी। इसी बात पर दोनों के बीच फिर विवाद हुआ। इसके बाद उसने पत्नी की हत्या कर दी। सुमन तीन दिन पहले ही पत्नी को उसके मायके से वापस लेकर आया था। सुबह 7 बजे पिता को मिली बेटी की हत्या की सूचनाः-घटना के बाद पुलिस ने मृतका के मायके वालों को सूचना दी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।महिला के पिता रामभवन ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे पूरामुफ्ती थाने से फोन आया। पुलिस ने उन्हें बेटी की हत्या की सूचना दी। डीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया-'शुरुआती जांच में मामला पति-पत्नी के बीच विवाद का लग रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।'

आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनेगा 'सोन अर्थ'- सोनभद्र की महिलाओं के उत्पादों को मिलेगा बड़ा बाजार

विधायक भूपेश चौबे, डीएम चर्चित गौड़ और सीडीओ जागृति अवस्थी ने सरस मेले में किया 'सोन अर्थ' लोगो का अनावरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ रही है। इसी दिशा में सोनभद्र में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को अब एक नई पहचान मिलने जा रही है। समूह की महिलाओं के उत्पादों को बाजार में अलग पहचान दिलाने और उनकी पहुंच प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के बाजारों तक बनाने के उद्देश्य से 'सोन अर्थ' ब्रांड तैयार किया गया है। सदर विधायक भूपेश चौबे, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने गुरुवार शाम को राबर्ट्सगंज के उरमौरा स्थित डायट परिसर में आयोजित सरस मेले में 'सोन अर्थ' लोगो का अनावरण किया। इस पहल से महिलाओं के हुनर को ब्रांड के रूप में स्थापित करने और उनके उत्पादों के बेहतर विपणन का रास्ता खुलेगा। इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और लगन से विभिन्न उत्पाद तैयार कर रही हैं। 'सोन अर्थ' लोगो इन महिलाओं के परिश्रम और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनेगा। ब्रांड के माध्यम से उत्पादों को विशिष्ट पहचान मिलेगी और उनकी पहुंच बड़े बाजारों तक बनाने में मदद मिलेगी। इससे महिलाओं की आमदनी बढ़ेगी और उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे। महिलाओं के सपनों को मिलेगी उड़ानः- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि 'सोन अर्थ' जनपद की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन का माध्यम बनेगा। समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को एक ब्रांड के तहत बाजार में उतारने से उनकी विश्वसनीयता और पहचान बढ़ेगी। महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन, प्रचार-प्रसार और विपणन के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। सरकार की मंशा के अनुरूप राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जा रहा है। उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और आजीविका संवर्धन के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरकार का जोर महिलाओं को केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें छोटे उद्यमों की संचालक और सफल कारोबारी के रूप में स्थापित करने पर भी है। स्थानीय उत्पादों को ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास किया जा रहा है। 'सोन अर्थ' इसी सोच को धरातल पर उतारने की एक महत्वपूर्ण पहल है। महिलाओं को मिलेगा आर्थिक संबलः- जिलाधिकारी ने कहा कि 'सोन अर्थ' के माध्यम से सोनभद्र की ग्रामीण महिलाओं के पारंपरिक हुनर और स्थानीय संसाधनों से तैयार उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। ब्रांड की पहचान बनने से उत्पादों की अलग मार्केटिंग करने और ग्राहकों तक उनकी पहुंच बढ़ाने में सहूलियत होगी। इससे महिलाओं को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलने के साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, एनआरएलएम के उपायुक्त रवीन्द्र वीर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।





'सोनअर्थ' को मिली डिजिटल उड़ान, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के उत्पादों को मिलेगी नई पहचान और व्यापक बाजार

समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने किया 'सोनअर्थ' के डिजिटल लोगो का अनावरण

डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ेंगे अधिक ग्राहक, महिला उद्यमिता एवं आर्थिक स्वावलंबन को मिलेगा बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डायट परिसर में आयोजित सोन अर्थ दीपावली सरस मेला-2026 में आज प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी एवं डीसी मनरेगा श्री रविंद्र सिंह की उपस्थिति में 'सोनअर्थ' के डिजिटल लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि 'सोनअर्थ' के डिजिटल लोगो के अनावरण से ब्रांड को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी नई पहचान मिलेगी। इससे अधिक से अधिक ग्राहक जुड़ सकेंगे तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की मार्केटिंग को और बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा तैयार किए गए स्थानीय उत्पादों को एक ब्रांड के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराना महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में सराहनीय पहल है। इस दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि जनपद की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता एवं विशिष्टता को 'सोनअर्थ' ब्रांड के माध्यम से व्यापक पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ब्रांड की उपस्थिति से उत्पादों की पहुंच स्थानीय बाजार से आगे बढ़कर व्यापक स्तर तक हो सकेगी। इससे समूह की महिलाओं को अपने उत्पादों के विपणन के बेहतर अवसर मिलेंगे और उनकी आय में वृद्धि के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सशक्त उद्यमी बनाने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है।

'सोनअर्थ' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से जनपद के स्थानीय उत्पादों को एक विशिष्ट पहचान प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं जनमानस ने इस पहल की सराहना की।





धार्मिक कार्यक्रम में दो महिलाओं से अभद्रता व गाली-गलौज का आरोप,एएसपी और सीओ से कार्रवाई की मांग

आर्यनगर निवासी सास-बहू ने फ़राज़ खान और उनकी पत्नी रुखसार खान पर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने व मारपीट की कोशिश का लगाया आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका के पास 19 अक्टूबर 2026 की रात आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान दो महिलाओं के साथ कथित अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट के प्रयास का मामला सामने आया है। आर्यनगर निवासी दो महिलाओं ने अपने रिश्तेदार फ़राज़ खान पुत्र अजहर खान और उनकी पत्नी रुखसार खान पर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, घटना के समय कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग मौजूद थे। आरोप है कि दोनों ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और मारपीट करने का प्रयास किया। हालांकि, शिकायत में प्रत्यक्ष मारपीट या हाथापाई होने की बात नहीं कही गई है। मामले में दोनों महिलाओं ने 2 नवंबर 2026 को अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और क्षेत्राधिकारी (सीओ सदर), सोनभद्र को अलग-अलग शिकायती प्रार्थना-पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जन शिकायत प्रकोष्ठ की प्राप्ति रसीदों पर टोकन संख्या 42 और 41 दर्ज है। फ़राज़ के बड़े भाई साकिब खान की प्रतिक्रिया भी आई सामनेः-शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से फ़राज़ खान के बड़े भाई साकिब खान से बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध कराई गई है। शिकायतकर्ता पक्ष के अनुसार, बातचीत में साकिब खान ने कथित तौर पर कहा कि फ़राज़ से उनका कोई लेना-देना नहीं है, जिसे जो करना है करे। हालांकि, इस बयान का पूरा संदर्भ और स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। शिकायतकर्ताओं ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने, उपलब्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच कराने और आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल आरोपों की सत्यता पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। खबर प्रकाशित किए जाने तक आरोपित पक्ष का बयान प्राप्त नहीं हो सका है। उनका पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।



मधुपुर गोल्डन फ्यूचर पब्लिक स्कूल ने आयोजन किया रंगोली प्रतियोगिता का

सोनभद। दीपावली के शुभ अवसर पर गोल्डेन फ्यूचर पब्लिक स्कूल मधुपुर मे रंगोली का एक बेहतरीन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के एलकेजी से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चो ने पार्टिसिपेट किये रंगोली का मूल्यांकन करने के लिए चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज मधुपुर के वरिष्ठ प्रवक्ता कैलाश सिंह, चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज के अभिभावक संघ के अध्यक्ष विजय कुमार मौर्य, वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर शिवदास प्रजापति, पत्रकार बंधु उपस्थित रहे एवं विद्यालय के रंगोली प्रतिभागी कर रहे छात्र-छात्रा।

सोनभद्र - राष्ट्रीय इंटर जूनियर एथलेटिक चैंपियनशिप - 2026 आयोजन निरस्त के संबंध में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के सभी एथलीट खिलाड़ियों को सूचित किया जाता है कि जिला एथलेस्टिक्स एसोसिएशन सोनभद्र के सचिव दिनेश कुमार सिंह द्वारा बताया गया है कि 14 से 16 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली 20 राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक मीट - 2026 को प्राकृतिक आपदा के चलते अग्रिम आदेश के लिए स्थगित कर दिया गया है,जो कि हैदराबाद तेलंगाना में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ/ एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित किया जाना सुनिश्चित था।

जिलों के एथलीट खिलाडी एवं टीम अधिकारियों एवं आयोजन कमेटी की सभी टीम सदस्यों के भविष्य और सुरक्षा को ध्यान में रखकर प्राकृतिक आपदा चक्रवर्ती तूफान के चलते कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। प्राकृतिक आपदा के चलते आप सभी संयम से काम लेकर अपनी टीम को भविष्य में निर्धारित तारीख में खेलने के लिए तैयार रखे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



मधुमक्खी डंक मारे तो क्या करें, 6 घरेलू उपचार, ये 5 संकेत दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं

मुंबई। फर्ज करिए कि आप किसी पार्क, खेत या बगीचे में टहल रहे हैं और अचानक मधुमक्खियों का झुंड आपके पास आ जाए। आप घबराकर भागने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस दौरान कुछ मधुमक्खियां आपको डंक मार देती हैं। मधुमक्खी का डंक लगते ही ज्यादातर लोग ये सोचते हैं कि थोड़ी देर दर्द होगा, सूजन होगी और फिर सब ठीक हो जाएगा। अक्सर ऐसा होता भी है। लेकिन हर बार नहीं। कुछ लोगों में मधुमक्खी का डंक शरीर में गंभीर एलर्जिक रिएक्शन भी पैदा कर सकता है। कई बार मधुमक्खी का काटना जानलेवा भी हो सकता है। ऐसे में सही फर्स्ट एड और खतरे के संकेतों को पहचानना जरूरी है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे कि मधुमक्खी के डंक मारने से शरीर में क्या होता है। साथ ही जानेंगे कि- अगर मधुमक्खी डंक मार दे तो तुरंत क्या करें? किन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. समीर राठी, कंसल्टेंट, इमरजेंसी मेडिसिन, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मधुमक्खी के डंक मारने से शरीर में क्या होता है? जवाब- मधुमक्खी के डंक के साथ उसके शरीर का जहर (वेनम) स्किन में चला जाता है। इसके बाद शरीर की प्रतिक्रिया के कारण ये रिएक्शन हो सकते हैं- डंक वाली



जगह पर तेज दर्द और जलन हो सकती है। वहां रेडनेस और सूजन हो सकती है। कुछ लोगों में खुजली और गर्माहट महसूस हो सकती है। शरीर का इम्यून सिस्टम जहर के खिलाफ प्रतिक्रिया करता है। इससे सूजन और दूसरे लक्षण पैदा हो सकते हैं। ज्यादातर लोगों में प्रतिक्रिया डंक वाली जगह तक सीमित रहती है और कुछ घंटों में कम हो जाती है। कुल मिलाकर मधुमक्खी का डंक स्किन में जहर पहुंचाता है और शरीर उस जहर के खिलाफ प्रतिक्रिया करता है। इसी वजह से दर्द, जलन और सूजन हो सकती है। सवाल- मधुमक्खी के डंक मारने पर कौन-से संकेत मेडिकल इमरजेंसी की ओर इशारा करते हैं? जवाब- कुछ लोगों का इम्यून सिस्टम मधुमक्खी के जहर के प्रति तेज प्रतिक्रिया करता है। इससे एनाफिलैक्सिस (तेज एलर्जिक रिएक्शन) जैसी गंभीर समस्या हो सकती है। मधुमक्खी ने डंक मारा ये हैं इमरजेंसी के संकेतः- 01 शरीर में एलर्जी, 02 सांस लेने में परेशानी, 03 गले या जीभ में सूजन, 04 चक्कर या बेहोशी, 05 पूरे शरीर पर -पित्ती/खुजली। सवाल- क्या मधुमक्खी का काटना और डंक मारना, दोनों एक ही बातें हैं? जवाब- हां, मधुमक्खी का काटना और डंक मारना, दोनों एक ही बात है। सिर्फ भाषा का फर्क है। आम बोलचाल की भाषा में लोग कहते हैं, 'मधुमक्खी ने काट लिया।' लेकिन मधुमक्खी काटती नहीं, बल्कि डंक मारती है। डंक के जरिए वह स्किन में जहर छोड़ती है। सवाल- अगर मधुमक्खी का डंक स्किन में फंस जाए तो इससे क्या रिस्क हो सकता है? जवाब- इससे सूजन और जलन हो सकती है। कुछ केस में यह सामान्य से ज्यादा समय तक बनी रह सकती है। साथ ही स्किन को बार-बार छूने या खुजलाने से इन्फेक्शन का रिस्क भी बढ़ सकता है। इसलिए डंक दिखाई दे तो उसे जितनी जल्दी हो सके, सावधानी से हटा देना चाहिए। सवाल- खुद डंक निकाल सकते हैं या डॉक्टर के पास जाना चाहिए? जवाब- अगर डंक स्किन की सतह पर साफ दिखाई दे रहा है और कोई गंभीर लक्षण नहीं है, तो इसे घर पर सावधानी से निकाल सकते हैं। साफ नाखूनों या किसी पतली, सपाट चीज से धीरे से खुरचकर डंक निकाल सकते हैं। कुछ स्थितियों में डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है, जैसेकि- डंक आंख, मुंह, गले या नाक के आसपास लगा हो। डंक निकालना मुश्किल हो रहा हो। सांस लेने में दिक्कत हो। चेहरे पर सूजन जैसे एलर्जिक लक्षण दिखाई दें। सवाल- मधुमक्खी के डंक मारने पर तुरंत क्या कदम उठाना चाहिए? जवाब- ऐसी स्थिति में सबसे पहले सुरक्षित जगह पर जाएं। अगर डंक स्किन पर दिख रहा है तो उसे सावधानी से निकालें। मधुमक्खी डंक मारे तो तुरंत क्या करें ? 01 दिख रहा डंक तुरंत निकालें। 02 डंक उंगली पर है तो अंगूठी निकालें। 03 जिस चीज से निकालें, वो साफ हो। 04 रगड़ने या खुजलाने से बचें। 05 सुरक्षित जगह पर जाएं। 06 साबुन पानी से डंक की जगह साफ करें। 07 प्रभावित हिस्से पर ठंडी पट्टी लगाएं। 08 परेशानी बढ़े तो इमरजेंसी हेल्प लें। सवाल- क्या डंक वाली जगह को खुजलाना या रगड़ना सही है? जवाब- नहीं, डंक वाली जगह को खुजलाना या जोर से रगड़ना नहीं चाहिए। इससे स्किन में जलन, सूजन बढ़ सकती है। साथ ही संक्रमण का रिस्क भी बढ़ता है। सवाल- अगर मधुमक्खी के डंक का घाव ज्यादा गंभीर नहीं है तो क्या इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं? जवाब- हां, अगर सिर्फ डंक वाली जगह पर दर्द, हल्की सूजन, लालिमा या खुजली है और सांस लेने में परेशानी जैसे गंभीर लक्षण नहीं हैं, तो घर पर प्राथमिक उपचार किया जा सकता है। स्किन में फंसा डंक दिखाई दे तो सबसे पहले उसे सावधानी से निकालें। डंक वाली जगह को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। सूजन और दर्द कम करने के लिए ठंडी सिकाई करें। प्रभावित जगह को खुजलाने या रगड़ने से बचें। प्रभावित हाथ या पैर को कुछ समय ऊपर रखने से भी सूजन कम करने में मदद मिलती है। खुजली ज्यादा हो तो डॉक्टर या फार्मासिस्ट की सलाह से उपयुक्त एंटीहिस्टामिन दवाएं ले सकते हैं। सवाल- मधुमक्खी के डंक पर कौन-से घरेलू नुस्खे बिल्कुल नहीं आजमाने चाहिए? जवाब- मधुमक्खी के डंक मारने पर अक्सर लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं, लेकिन इनसे बचना चाहिए। मधुमक्खी के डंक पर डंक को दबाएं/ निचोड़ें नहीं। मिट्टी या गोबर न लगाएं। चूना, टूथपेस्ट न लगाएं।

मिट्टी का तेल न लगाएं। घाव पर थूक न लगाएं। डंक वाली जगह रगड़ें नहीं। डंक वाली जगह सिंकाई न करें। 'ब्लेड / नुकीली चीज से काटें नहीं। सवाल- अगर किसी व्यक्ति को पहले मधुमक्खी के डंक से गंभीर एलर्जी हो चुकी है तो अगली बार क्या सावधानी रखनी चाहिए? जवाब- ऐसे में खास सावधानी रखें। डॉक्टर की सलाह से एपिनेफ्रिन (एड्रेनालिन) ऑटो-इंजेक्टर साथ रखें और इसके इस्तेमाल का तरीका पहले से सीखें। यह एक मेडिकल डिवाइस है, जिसका इस्तेमाल गंभीर एलर्जिक रिएक्शन को कंट्रोल करने के लिए किया जाता है। डंक लगने पर गंभीर एलर्जी के लक्षण दिखें तो तुरंत इसका इस्तेमाल करें और इमरजेंसी मेडिकल हेल्प लें। सवाल- मधुमक्खी के डंक का दर्द और सूजन कितने समय में कम हो जाते हैं?

जवाब- आमतौर पर डंक लगने के बाद दर्द और जलन कुछ घंटों में कम होने लगती है। जबकि सूजन और लालिमा कुछ दिनों तक रह सकती है। कुछ लोगों में सूजन 2-3 दिन तक बढ़ने के बाद धीरे-धीरे कम होती है। मधुमक्खी के डंक का असर हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता।

ज्यादातर लोगों में दर्द और सूजन धीरे-धीरे अपने आप कम हो जाती है। लेकिन अगर शरीर की प्रतिक्रिया सामान्य से अलग है,

तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- अगर ढेर सारी मधुमक्खियां एक साथ अटैक कर दें तो बचने के लिए क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- जितनी जल्दी हो सके किसी बंद जगह जैसे कमरे या कार में चले जाएं। चेहरा और सिर ढकें और मुंह-नाक को कपड़े से ढक लें। घबराकर हाथ-पैर न चलाएं। मधुमक्खियों को मारने या भगाने की कोशिश न करें। पानी में न कूदें, क्योंकि मधुमक्खियां पानी के ऊपर भी इंतजार कर सकती हैं।

अगर डंक लग जाए और सांस लेने में परेशानी हो, चेहरे/गले में सूजन हो या चक्कर आएं तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- जहां मधुमक्खी के काटने का रिस्क हो, वहां किन तैयारियों के साथ जाना चाहिए? जवाब- इसके लिए पहले से कुछ सावधानियां बरतें, जैसेकि- फुल स्लीव्स वाले कपड़े, फुल पैंट और जूते पहनें।

तेज खुशबू वाले परफ्यूम, डियो या हेयर प्रोडक्ट्स लगाने से बचें। खाने-पीने की मीठी चीजों को खुला न रखें। आसपास मधुमक्खियों का छत्ता दिखे तो उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। जिन लोगों को मधुमक्खी के डंक से गंभीर एलर्जी है, वे डॉक्टर द्वारा बताई गई एपिनेफ्रिन ऑटो-इंजेक्टर जैसी इमरजेंसी दवा साथ रखें।

आई एलर्जी के मामले,ये 9 संकेत दिखें तो न करें इग्नोर, एक्सपर्ट से समझें जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली।तेज धूप और गर्म हवा आंखों को प्रभावित करती है। इससे आंखों में जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है। आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये किसी बड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अल्ट्रावायलेट



एक्सपोजर, डिहाइड्रेशन और धूल-मिट्टी आंखों को प्रभावित करते हैं। इससे आई-इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए गर्मियों में आई एलर्जी के केस बढ़ जाते हैं। आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि गर्मी का आंखों पर क्या असर पड़ता है। साथ ही जानेंगे कि-किन लोगों को आई-इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है? आई इन्फेक्शन से बचने के आसान टिप्स क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर और तेज धूप का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ये तीन चीजें होती हैं- धूप तेज होती है, तापमान बहुत ज्यादा होता है। अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ जाता है। वातावरण में नमी, धूल-मिट?टी और प्रदूषण बढ़ जाते हैं। ये तीनों फैक्टर आंखों पर ये प्रभाव डालते हैं- तेज धूप में अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों की बाहरी परत (कॉर्निया) और लेंस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। लंबे समय में मोतियाबिंद का खतरा बढ़ सकता है। गर्मी और लू से आंखों की नमी जल्दी कम होती है, जिससे ड्राईनेस, जलन और रेडनेस बढ़ती हैं। तेज रोशनी में आंखें खोलना मुश्किल होता है और सिर या आंखों में दर्द हो सकता है। लंबे समय तक धूप में रहने से विजन कुछ समय के लिए धुंधला हो सकता है। गर्मियों में धूल, पसीना और प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आंखों में एलर्जी, खुजली और इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ने से आंखों की नमी जल्दी कम हो जाती है, जिससे ड्राईनेस बढ़ती है। ड्राई आई सिंड्रोम, आई एलर्जी, आई स्ट्रेन (थकान) आंखों में जलन, दर्द, आंखों में खुजली, आंखों से पानी आना, आंखों में धुंधलापन,



केराटायटिस (कॉर्निया में सूजन) कंजंक्टवाइटिस, फोटोफोबिया, मोतियाबिंद। सवाल- आंखों के कौन-से लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या गर्मियों में ये ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- आंखों में लगातार दर्द या तेज जलन होना सामान्य नहीं है। अचानक धुंधला या कम दिखाई देना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। गर्मियों में ये गंभीर हो सकते हैं- आंखों की थकान, आंखों में दर्द, जलन या चुभन, रोशनी से परेशानी, रेडनेस चिपचिपा डिस्चार्ज, ज्यादा पानी, धुंधला, आना, दिखना, सूजन, सवाल- आंखों के संक्रमण और एलर्जी के मुख्य रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- गर्मियों में ज्यादा तापमान और पसीने से आंखों के आसपास बैक्टीरिया व वायरस बढ़ सकते हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण आंखों की सतह को इरिटेट करके एलर्जिक रिएक्शन बढ़ाते हैं। युवी किरणें आंखों की प्रोटेक्टिव लेयर को कमजोर कर सकती हैं। गंदे हाथों से आंख छूने या तौलिया-रूमाल शेयर करने से संक्रमण फैलता है।स्विमिंग पूल के क्लोरीन या दूषित पानी से आंखों में जलन व इन्फेक्शन हो सकता है।सवाल- डिहाइड्रेशन होने पर आई हेल्थ और विजन कम्फर्ट पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शरीर में पानी कम होने से आंखों पर ये प्रभाव पड़ते हैं- इससे आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। आंखों का लुब्रिकेशन घटने से असहजता बढ़ती है। पलक झपकाने पर चुभन या किरकिरापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। इससे विजन कम्फर्ट कम हो सकता है। आंखों की सतह पर माइक्रो-डैमेज का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- किन लोगों को समर सीजन में आई प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जो तेज धूप या गर्म वातावरण में काम करते हैं। जो एयर-कंडीशन या सूखे वातावरण में लंबे समय तक रहते हैं। जो कॉन्टैक्ट लेंस यूज करते हैं। छोटे बच्चे, जो अपनी आंखों की सेफ्टी नहीं रख सकते हैं।

बुजुर्ग, जिनकी आंखों में आंसू बनने की क्षमता कम हो गई है। जो एलर्जी-प्रोन हैं और जिनकी आंखें सेंसिटिव हैं। जो ऐसे मेडिकेशन पर हैं, जिससे आंखों की ड्राईनेस बढ़ती है। सवाल- अगर पहले से ड्राई आई, एलर्जी की समस्या है तो गर्मियों में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसके लिए ये सावधानियां बरतना जरूरी है- आंखों को धूल और धूप से बचाने के लिए प्रोटेक्टिव सनग्लासेस पहनें। डॉक्टर द्वारा बताई दवा या आई ड्रॉप लें। आंखों को रगड़ने की आदत से बचें, इससे सूजन बढ़ सकती है। आंखें और चेहरा नियमित रूप से साफ रखें। एलर्जी ट्रिगर्स जैसे पोलन (परागकण) या धुएं से दूर रहें। जरूरत पड़ने पर ठंडी पट्टी से आंखों को आराम दें।सवाल- गर्मियों में आई-हेल्थ के लिए डाइट और हाइड्रेशन कैसा होना चाहिए? जवाब- इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें- रोज 2.5-3 लीटर तक पानी या फ्लूइड लेना फायदेमंद है।खीरा, ककड़ी, संतरा, तरबूज जैसे हाई-वॉटर कंटेंट फूड्स लेना फायदेमंद है। एंटीऑक्सिडेंट युक्त फल आंखों की सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।विटामिन-ए और ल्यूटिन युक्त हरी सब्जियां विजन को सपोर्ट करती हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड आई हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। भोजन में बहुत ज्यादा नमक और शुगर से बचना जरूरी है।

बारिश में धुल सकता है भारत-न्यूजीलैंड दूसरा वनडे,टीम इंडिया ने प्रैक्टिस नहीं की, न्यूजीलैंड ने इंडोर अभ्यास किया,आज वेलिंगटन में मुकाबला

स्पोर्ट डेस्क। भारत-न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे



मैच शनिवार को वेलिंगटन में खेला जाएगा। मुकाबला कल सुबह 7:30 बजे से हेनरी स्टेडियम में शुरु होगा। हालांकि मैच तभी होगा, जब बारिश ना आए। ऐसा इसलिए क्योंकि वेलिंगटन में शनिवार को 60फीसदी तक बारिश की संभावना जताई गई है। मैच शुरु होने के 1 घंट पहले से ही पानी गिरने का अनुमान है। इसके बाद पूरे मैच के दौरान भी इसका खतरा बना रहेगा। बारिश के कारण ही भारतीय टीम ने आज का अपना प्रैक्टिस सेशन रद्द कर दिया। वहीं न्यूजीलैंड को वेलिंगटन कॉलेज की इंडोर फैसिलिटी में अभ्यास करना पड़ा। पिछले मैच में भी बारिश की वजह से 3 बार खेल रुका थाः-भारत 5 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। टीम ने ऑकलैंड में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया था। इस मैच में भी बारिश की वजह से 3 बार खेल रुका। करीब 1:30 घंटे तक खिलाड़ी मैदान से बाहर रहे। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 रन बनाए। इसके बाद बारिश के कारण भारत को 32 ओवर में 143 रन का टारगेट मिला, जिसे टीम ने 14.5 ओवर में हासिल किया। भारत वेलिंगटन में न्यूजीलैंड से नहीं हाराः- वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अब तक भारत को नहीं हरा पाया है। यहां दोनों के बीच खेले गए 3 मैचों में भारत ने 2 में जीत दर्ज की है। वहीं दोनों टीमों के बीच ओवरऑल 124 वनडे मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 64 और न्यूजीलैंड ने 52 मैच जीते हैं। कप्तान गिल और कोहली पर नजरें:-भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इस साल भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने 13 वनडे मुकाबले में 932 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया है। गिल ने सीरीज के पहले मैच में भी 37 रन बनाए थे।

उन्होंने कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की थी। कोहली ने 74 रन बनाए थे। वहीं ऑकलैंड में शून्य पर आउट होने वाले रोहित शर्मा अब बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। न्यूजीलैंड को डेरिल मिचेल से उम्मीदें:-डेरिल मिचेल इस साल टीम के टॉप रन स्कोरर है।

उन्होंने 2026 में 7 मैचों में 501 रन बनाए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ भी लगातार परफॉर्म किया है। वे भारत के खिलाफ पिछले 8 मुकाबलों में 4 शतक और 2 अर्धशतक लगा चुके हैं। दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11:-भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, वेग्एल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अनशुल कंबोज, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह। न्यूजीलैंडः टिम साइफर्ट, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डैरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, जैकब डफी, ब्लेयर टिकनर।

तन्वी ने यूथ ओलंपिक्स में सिल्वर जीता,बैडमिंटन में ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी-चीनी खिलाड़ी से हारीं

स्पोर्ट डेस्क। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक गेम्स में महिला सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीता है। 15 साल की तन्वी इस इवेंट में सिल्वर जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। सेनेगल के डकार में गुरुवार को खेले गए फाइनल में तन्वी को चीन की मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन झांग यी शिन ने 21-15, 13-21, 24-26 से हराया। 1 घंटे 22 मिनट चले मुकाबले में तन्वी ने 5 मैच प्वाइंट बचाए और 3 बार गोल्ड जीतने के करीब पहुंचीं। पहला गेम (21-15): शुरुआत में तन्वी ने लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया। वे एक समय 3-5 से पिछड़ रही थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार 7 पॉइंट जीतकर 10-5 की बढ़त बना ली। पंच टॉस और नेट पर शानदार खेल के दम पर तन्वी ने 25 मिनट में पहला गेम 21-15 से जीत लिया। दूसरा गेम (13-21): तन्वी ने दूसरे गेम की शुरुआत भी अच्छी की और 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, कोर्ट पर हवा के बहाव (ड्रिफ्ट) के कारण उनके शॉट्स पर कंट्रोल प्रभावित हुआ। मिड-गेम इंटरवल के बाद झांग ने खेल पर पकड़ बनाई और 21-13 से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। तीसरा गेम (24-26): निर्णायक गेम में झांग ने क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट्स से तन्वी को परेशानी में डाला और 19-10 की बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने लगातार संघर्ष करते हुए स्कोर का अंतर कम किया। उन्होंने झांग के 5 मैच पॉइंट बचाए और खुद भी 3 बार गोल्ड मेडल जीतने से एक पॉइंट दूर पहुंचीं। हालांकि, झांग ने दबाव में बेहतर खेल दिखाया और 26-24 से गेम जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।



तीसरी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी-तन्वी से पहले यूथ ओलंपिक गेम्स में इंडिविजुअल बैडमिंटन इवेंट में दो भारतीय खिलाड़ी सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। एचएस प्रणय ने 2010 में और लक्ष्य सेन ने 2018 में पुरुष सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीता था। लक्ष्य सेन ने 2018 में मिक्स्ड टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता था। इस तरह तन्वी यूथ ओलंपिक्स के इंडिविजुअल बैडमिंटन इवेंट में मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय और महिला सिंगल्स में सिल्वर जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

बीएआई ने दी बधाई, कहा- 15 साल की उम्र में सिल्वर जीतना असाधारण उपलब्धिः- तन्वी की उपलब्धि पर बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के जनरल सेक्रेटरी ने उन्हें बधाई दी।

उन्होंने कहा,'तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक गेम्स में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर पूरे देश को गौरवान्वित किया है। महज 15 साल की उम्र में सिल्वर मेडल जीतना असाधारण उपलब्धि है।' उन्होंने आगे कहा, 'पूरी प्रतियोगिता में उनका जुझारू रवैया, संयम और प्रदर्शन युवा खिलाड़ियों की क्षमता को दिखाता है। यह भारतीय खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

भारत की कहानी का अहम हिस्सा बन चुके हैं ये खिलाड़ी

नागोया में एशियाई पैरा-गेम्स सम्पन्न हुए अब दस दिन होने को आए हैं। इनमें 30 स्वर्ण पदकों सहित कुल 114 मेडल जीतकर भारत ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन हमारे सामने कई सवाल भी खड़े करता है। क्या यह पैरा-गेम्स को मुख्यधारा में लाने और पैरा-खिलाड़ियों के साथ होने वाले भेदभाव के मुद्दे को उठाने का अवसर है? क्या इस सकारात्मक माहौल को बनाए रखा जा सकता है और यदि हां, तो कैसे? भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज शुरू हो चुकी है और देश एक बार फिर क्रिकेट की ओर लौट चुका है। तब क्या ये खिलाड़ी हाशिए पर धकेल दिए जाएंगे? क्या हम विभिन्न खेलों को समान रूप से सैलिब्रेट कर सकते हैं? 2023 में हांगझोउ में भारत ने 303 एथलीटों की टीम भेजी और 108 मेडल जीते थे। इनमें 29 गोल्ड थे। जबकि नागोया में भारत ने महज 167 एथलीट भेजे और फिर भी 30 गोल्ड सहित 114 पदक जीत लिए। स्पष्टतः यह बढ़ोतरी असाधारण और चौंकाने वाली है। कम से कम लॉस एंजेलेस में 2028 के पैरालिम्पिक गेम्स में दुनिया के शीर्ष 15 देशों में जगह बनाने का सपना अब काफी हद तक साकार होता दिख रहा है। इन खिलाड़ियों की कहानियां देखें तो समझ आ जाएगा कि क्यों इनकी उपलब्धियों का जश्न जोर-शोर से मनाया जाना चाहिए। प्रदीप कुमार का उदाहरण लीजिए। 2003-04 में उनकी शादी हुई थी। वे पत्नी के साथ गांव में थे। तभी उन्होंने देखा कि कुछ बदमाश गांव की दो महिलाओं से यौन दुर्व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने विरोध किया तो उन पर तीन गोलियां दाग दी गईं। तब से वे व्हीलचेयर पर रहने को मजबूर हैं। शुरुआती 10 वर्षों तक वे लोगों के उपहास या सहानुभूति के पात्र बने रहे। 2015 में उन्होंने पहली बार टीवी पर व्हीलचेयर-रग्बी देखी और पैरा-स्पोर्ट्स के बारे में जाना। इसी ने उन्हें इस खेल के लिए प्रेरित किया और आज वे एशियन पैरा-गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं। नागोया में राइफल शूटर मोना अग्रवाल भारत की ध्वजवाहक थीं। उन्होंने दो गोल्ड मेडल जीते, एक विश्व रिकॉर्ड और कई एशियन रिकॉर्ड बनाए। उनकी कहानी भी बेहद प्रेरणादायक है। मोना ने 2021 से पहले कभी राइफल उठाई तक नहीं थी। उनके पति को जब एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी का पता चला, तब जाकर उन्होंने परिवार के गुजारे के लिए खेलों में कुछ करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि 'मुझे परिवार के लिए कुछ करना था। मेरे पति भी पैरा-एथलीट थे, लेकिन बीमारी के कारण वे खेल जारी नहीं रख सके। ससुराल वाले मेरे दो छोटे बच्चों की देखभाल करते हैं। परिवार की सारी पूंजी मेरे पति की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों पर ही खर्च हो जाती है।' इसका मतलब है कि उनके पास अपने कौशल में निखार लाने के लिए पैसे नहीं थे। अगर वे खेल में आगे बढ़ना चाहतीं तो उन्हें यह सब अपने दम पर करना था। उन्होंने बताया कि 'मैंने उधार लेकर जरूरी उपकरण खरीदे। मुझे पता था यह बहुत बड़ा जोखिम है, लेकिन मैंने ठान लिया था कि इसे सार्थक बनाऊंगी और ऐसा कुछ करूंगी, जिस पर परिवार को गर्व हो। अब मुझे उम्मीद है कि मैं अपना कर्ज चुका पाऊंगी।' मोना ने न केवल अपना कर्ज चुका दिया है, बल्कि उसके आगे एक लंबा सफर भी तय किया है। लॉस एंजेलेस-2028 के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय शूटर बनने से लेकर नागोया में गोल्ड मेडल जीतने तक, उनकी यात्रा शानदार रही है। ये एथलीट भारत की एक बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन अब तक वंचित ही रहे हैं। उन्हें हमारी सहानुभूति की जरूरत नहीं है। इसके बजाय हमें उनके प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव रखना चाहिए। उन्हें ऐसे खिलाड़ियों के रूप में सम्मानित करना चाहिए, जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है। नागोया ने एक मंच दिया है। भारत स्पष्टतः एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि यह उत्साह बरकरार रहे। ऐसा नहीं हो सकता कि भारत निरंतर महज एक खेल वाला देश ही बना रहे। आप जब विराट और रोहित की उपलब्धियों का जश्न मनाएं तो साथ ही प्रदीप और मोना का भी सम्मान करें। वे भी भारत की कहानी का उतना ही अहम हिस्सा हैं, जितने कि क्रिकेटर। ऐसा नहीं हो सकता कि भारत निरंतर महज एक खेल वाला देश ही बना रहे। आप जब विराट और रोहित की उपलब्धियों का जश्न मनाएं तो साथ ही प्रदीप और मोना का भी सम्मान करें। वे भी भारत की कहानी का उतना ही अहम हिस्सा हैं, जितने कि हमारे क्रिकेटर। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)



दीया भारतीय संस्कृति की अहमियत बरकरार रखे हुए है

मेरी यादों में एक तस्वीर कभी धुंधली नहीं पड़ी। मेरी मां एक-एक करके वॉक-वे के किनारे दीये सजा रही थीं। रंगोली के बीच में एक बड़ा दीया रखा था। धीरे-धीरे ढलता सूरज अंधेरे को राह दे रहा था। सांझ होते ही मां ने दीये जलाने शुरू किए। मां के चेहरे के एक हिस्से पर हल्की रोशनी पड़ रही थी, जिससे उनकी आधी बिंदी, हल्की मुस्कान और चेहरे पर छाई खुशी साफ दिख रही थी। उनके अभी-अभी धुले बालों की कुछ लटें माथे और कानों के बीच बिखरी हुई थीं। मैं चुपचाप उन्हें निहारता हुआ लगभग खो गया था। उन्होंने देखा और पूछा कि 'क्या देख रहे हो?' मैंने कहा, 'आप बिल्कुल मां महालक्ष्मी जैसी लग रही हैं। बहुत सुंदर। आप मुझे मंदिर में विराजमान देवी की याद दिला रही हैं।' वे उठकर आईं और मेरे माथे को चूम लिया। वे मेरी मां थीं। आज भी मैं अपनी बहन, पत्नी या बेटी को दीपावली के लिए दीये सजाते और जलाते देखता हूं तो वही दृश्य जीवंत हो उठता है। चेहरे बदल गए, लेकिन भावनाएं वही हैं। शायद यही वह सबसे खूबसूरत रोशनी है, जो दीपावली हमारी जिंदगी में छोड़ जाती है। वर्ष 1800 में भारतीय घरों में पूरे दिवाली वीक की शामों की कल्पना कीजिए। कोई परिजन मिट्टी के छोटे दीयों में सावधानी से तेल भर रहा है। रुई की बाती बनाकर किनारे पर रख रहा है। बाती जलते ही उसकी लौ सिर्फ दरवाजे को ही नहीं, बल्कि पूरी लगन से इसे लगाने वाली महिला के चेहरे को भी रोशन कर देती है। इस दीये में कुछ भी फैंसी नहीं है। इसे कुम्हार मिट्टी से बनाता और भट्?टी में पकाता है। लेकिन इसमें कुछ जादुई है, जिसे न बिजली चाहिए, न रिमोट और न ही कोई फैंसी स्विच। उस परिवार के लिए दीया समृद्धि, उम्मीद और खुशी का प्रतीक है। अब 2026 में आइए। दीया अब काफी बदल गया है। इसे हाथी, मोर, शंख या कमल के आकार में बना सकते हैं। इसमें कई बातियां और तेल की अलग जगह हो सकती है। यह 24 या 100 घंटे तक भी जल सकता है। कुछ कारीगरों ने ऐसे दीये बनाए, जो पानी डालने पर चमकते हैं। कुछ कारीगर अलग-अलग सामग्री, रंगों और डिजाइनों के प्रयोग से उस पीढ़ी को आकर्षित कर रहे हैं, जो परंपरा के साथ आधुनिकता का टच चाहती है। दीये ने लंबा सफर तय किया है, लेकिन इसकी यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है। दिलचस्प यह है कि 19वीं सदी में भी दीया हमेशा मिट्टी का साधारण बाउल नहीं होता था। म्यूजियमों में उस दौर के खूबसूरती से बनाए गए ब्रास के दीये हैं। 1870 से 1900 के बीच का एक ब्रास का दीपालक्ष्मी लैंप ऐसी चतुराई-भरी व्यवस्था से बनाया गया था, जिसमें तेल ऑटोमेटिकली भरता रहता था। कारीगर ने इसमें 'टैंटेलस कप' सिद्धांत का इस्तेमाल किया, जिससे ऑइल-बाउल भरा रहे। एक अन्य पारंपरिक दीया मोर के जैसा बनाया गया, जिसकी बॉडी खुद ऑइल रिजर्वायर का काम करती थी। आज भारतीय कारीगर दीया री-इन्वेंट कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव का एक कुम्हार हाथी के आकार का ऐसा दीया बनाता है, जो 100 घंटे से ज्यादा जलता है। बेलगावी के कुम्हारों ने 24 घंटे जलने वाले दीये बनाए हैं। लखनऊ माटी कला उत्सव में इब्रार अहमद ने वाटर-एक्टिवेटेड दिया बनाया। कारीगर बांस, कोकोनट शेल, रेत, ब्रास और गोबर से भी दीये बना रहे हैं।

दिल्ली में छात्रों ने पेंट की बेकार बाल्टियों से सोलर लैंप तक बनाए हैं, जो साबित करता है कि परंपरा और इनोवेशन साथ चमक सकते हैं। हमारे कारीगरों का मकसद सीधा है- पारंपरिक शिल्प छोड़े बिना कुछ नया बनाना। फंडा यह है कि आज भले ही पारंपरिक दीया हमारे कमरे रोशन न करता हो, लेकिन यह हमारे त्योहारों, प्रार्थनाओं और फैमिली सेलिब्रेशंस को रोशन कर रहा है। इससे मन में बयां न हो सकने वाली खुशी पैदा होती है। इसकी अहमियत अगली पीढ़ी को भी बताएं। एन. रघुरामन



महज 12 महीनों में ट्रम्प ने जीत को हार में कैसे बदला?

ज्यादा पुरानी बात नहीं है। महज 12 महीने पहले तक ट्रम्प अपने महत्वाकांक्षी और लोकप्रिय एजेंडों को लागू करने की मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहे थे। उस समय ट्रम्प एक ऐसे देश का नेतृत्व कर रहे थे, जो शांति की स्थिति में था और जिसकी अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही थी। उन्होंने उस कथित 'डीप स्टेट' की कमर तोड़ दी थी, जिसने उनके पहले कार्यकाल में उनकी ट्रेड और इमिग्रेशन नीतियों के क्रियान्वयन में बाधाएं खड़ी की थीं। उन्होंने यूएसएड का सफाया कर दिया था, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह विदेशों में डेमोक्रेटिक पार्टी के एजेंडे को आगे बढ़ाता है। उनके न्याय विभाग ने उन नागरिक-अधिकार कार्यकर्ताओं को निष्प्रभावी कर दिया था, जो उनका विरोध कर रहे थे। यहां तक कि उन्होंने अमेरिका के सांस्कृतिक कुलीनों- खासकर सिलिकॉन वैली के बीच भी पैठ बना ली थी, जहां लोग एक नए 'वाइब-शिफ्ट' की चर्चा करने लगे थे। यह सच है कि इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने देश के भीतर अपने विरोधियों और विदेशों में अपने सहयोगियों- दोनों को ही नाराज किया था। टैरिफ को लेकर उनकी अप्रत्याशित घोषणाओं ने निवेशकों को हैरान कर दिया था। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल के लगभग एक साल बाद भी उनका प्रशासन, यदि अत्यंत लोकप्रिय नहीं था, तो कम-से-कम लगातार पर्याप्त जनसमर्थन जरूर हासिल किए हुए था। अक्टूबर 2025 के आखिरी दिनों तक भी कुछ जनमत सर्वेक्षण ऐसे थे, जिनमें उनकी अप्रूवल रेटिंग लगभग 50 प्रतिशत दिखाई दे रही थी। और ट्रम्प महाशय ने यह सब गंवा दिया! अपने अहंकार, अस्थिरता और मूर्खतापूर्ण फैसलों से उन्होंने जीत को हार में बदल दिया। देखें तो ट्रम्प ने जिन नीतियों के आधार पर चुनाव लड़ा था और जिन्हें लागू भी किया था, वे आज भी लोकप्रिय हैं। मसलन, सीमा पर सुरक्षा-व्यवस्था सख्त करना। इसी साल वसंत में कराए एक जनमत सर्वेक्षण में पाया गया कि सीमा-सुरक्षा को कठोर बनाना अब भी वह इमिग्रेशन नीति है, जिसे मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है। लेकिन ट्रम्प ने तार्किकता के बजाय थौंस-डपट को प्राथमिकता दी। वे खुद को सौदेबाजी का माहिर खिलाड़ी मानते रहे। शुरुआत में डीईआई (विविधता, समानता और समावेश) और पोलिटिकल करेक्टनेस सम्बंधी मुद्दों पर भी ट्रम्प को पर्याप्त जनसमर्थन हासिल था। न्याय विभाग की नीतियों में बदलाव करने के बाद वे अपने अभियान को स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने दे सकते थे, ताकि लोग धीरे-धीरे ऐसे अमेरिका की अभ्यस्त हो जाते, जहां आरक्षण (अफर्मेटिव एक्शन), स्पीच-कोड और लैंगिकता की नई मान्यताओं को जबरन लागू करने की व्यवस्था न हो। लेकिन ट्रम्प ने विश्वविद्यालय परिसरों में अभिव्यक्ति के लिए अपनी खुद की आचार संहिता थोपने की कोशिश की। नतीजतन, ऐसी व्यवस्था अस्तित्व में आई, जो पहले के दौर की सेंसरशिप-प्रधान व्यवस्था जैसी थी। ऐसी परिस्थितियों में ही 'वोक' राजनीति अपने उत्कर्ष की ओर बढ़ती है। और विदेश नीति का तो कहना ही क्या?? ये सच है कि ग्रीनलैंड वास्तव में ही एक महत्वपूर्ण सामरिक क्षेत्र है, जिस पर अमेरिका-विरोधी ताकतें प्रभाव जमा सकती हैं। यह भी सच है कि डेमोक्रेट्स का चीन की तुलना में रूस को लेकर अधिक चिंतित होना वास्तव में मूर्खतापूर्ण था। लेकिन एक बार फिर, अपने वार्ताकारों को अपमानित करने की जिद में ट्रम्प ने वहां भी समस्याएं रच दीं, जहां पहले कोई समस्या नहीं थी। कनाडा के कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिव्र के प्रधानमंत्री बनने की संभावना लगभग तय मानी जा रही थी। लेकिन तभी ट्रम्प ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी बेतुकी बातें कहनी शुरू कर दीं। नतीजा यह हुआ कि मार्क कार्नी की जीत का रास्ता साफ हो गया, जो ट्रम्प के सबसे दृढ़ विरोधियों में से एक हैं। जून 2025 में, इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के उद्देश्य से बमबारी अभियान में शामिल होने से पहले ट्रम्प की लोकप्रियता जिस स्तर पर थी, वह उसके बाद कभी वापस नहीं लौटी। 28 फरवरी को शुरू हुए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ने ट्रम्प प्रशासन के हर हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और उसकी साख को ध्वस्त कर दिया। इसने अमेरिका को न केवल सैन्य, बल्कि कूटनीतिक मोर्चे पर भी अपमानित किया। इसने अमेरिका-इजराइल गठबंधन को भी कमजोर किया। इस युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी उछाल आया, जिससे महंगाई का सबसे बड़ा बोझ ट्रम्प के अपने समर्थकों को ही उठाना पड़ा। नतीजा : 2024 में जिन निर्वाचन क्षेत्रों और राज्यों में ट्रम्प को भारी बहुमत मिला था, वहां के मतदाताओं का भी रिपब्लिकन पार्टी से मोहभंग होने लगा। ट्रम्प के अहंकार ने उनके दूसरे कार्यकाल को तबाह कर दिया। 2018 के मिड-टर्म में उन्हें जो झटका लगा था, उसकी तुलना में इस बार की शिकस्त कहीं अधिक निर्णायक इसलिए लगती है, क्योंकि इस बार उन्हें अपने अहंकार को खुलकर प्रदर्शित करने की अधिक छूट हासिल थी। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,क्रिस्टोफर कॉल्डवेल)

क्या होगा जब एआई हमारी 'इजाजत' लेना बंद कर देगा?

एक दृश्य की कल्पना करें। कोई कंपनी अपनी टीम को एक कठिन टास्क देती है। फिर हर सदस्य को अलग-अलग कमरों में बंद कर देती है और उनसे कहती है कि समस्या का समाधान खोजें। लेकिन किसी तरह वे आपस में बात करने का रास्ता खोज लेते हैं और एक-दूसरे से अपने सुझाव साझा करने लगते हैं। उनमें से कुछ खुद को अधिक निष्ठावान दिखाने के लिए दूसरी कंपनी के कंप्यूटरों में सेंध भी लगा देते हैं!? अब इस दृश्य में कर्मचारियों की जगह एआई को रख दीजिए! लास वेगास में हुई ब्लैक हैट साइबर सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में ओपनएआई के रिसर्चर्स ने कुछ ऐसी ही कहानी सुनाई थी। मई में एक आंतरिक मूल्यांकन के दौरान एआई एजेंट्स को कठिन साइबर-सुरक्षा कार्य दिए गए थे। इन एजेंट्स ने दूसरे एजेंट्स को खोज निकाला। इसके बाद जो हुआ, वह टीमवर्क था। अलग-अलग सेशंस में रन कर रहे इन एजेंट्स ने एक-दूसरे से अपने फीडबैक साझा किए, काम बांटा और किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने वाले सहकर्मियों की तरह समन्वय किया। जुलाई का मध्य आते-आते तो सेंधमारी की स्थिति बन चुकी थी। एजेंट्स ने ओपन इंटरनेट तक पहुंच बनाई और एक प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म हगिंग फेस के सिस्टम में प्रवेश कर गए। ओपनएआई ने इसे एक खतरा और चेतावनी माना है। लेकिन यह इस तरह की अकेली घटना नहीं थी। इसी साल का एक और मामला सामने आया, जिसे लोगों से छुपाया गया था। इसमें एजेंट्स ने जर्मन भाषा की ऐसी प्रोग्रामिंग विकी को- जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते थे- सार्वजनिक बुलेटिन बोर्ड में बदल दिया था। लगभग इसी दौरान एंथ्रोपिक और मेटा ने भी अलग-अलग घटनाओं का खुलासा किया, जिनमें परीक्षण के दौरान उनके अपने मॉडल लाइव इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रहे थे। चीजें अब काबू के बाहर होने लगी थीं। इसी पृष्ठभूमि में गत 8 सितम्बर को ओपनएआई और एंथ्रोपिक में तीन वर्षों तक प्री-ट्रेनिंग रिसर्च पर काम करने वाले जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने लिखा कि दोनों में से कोई भी कंपनी जिम्मेदारी से काम नहीं कर रही थी; दोनों ऐसी सुपरइंटेलिजेंस की ओर दौड़ रही थीं, जो खुद को बेहतर बनाने में सक्षम होगी और- उनके शब्दों में- 'वे हमारी जिंदगियों के साथ जुआ खेल रही हैं!

' कॉक्सन ने खुद उन सिस्टम्स को बनाने में योगदान दिया है, जिनके बारे में वे अब चेतावनी दे रहे हैं। साइंस फिक्शन ने हमें ऐसी मशीनों से डरना सिखाया है, जो चेतना हासिल कर लें और हमसे लड़ने का फैसला कर लें। लेकिन शायद डर की यह सही वजह नहीं है।

किसी एआई सिस्टम को किसी नेटवर्क पर हमला करने के लिए न तो गुस्से की जरूरत है और न ही ज्यादा संसाधनों के लालच की। उसे बस एक लक्ष्य चाहिए, उस लक्ष्य को हासिल करने की पर्याप्त क्षमता चाहिए, और सुरक्षा-व्यवस्था में ऐसी खामी चाहिए, जिसका वह फायदा उठा सके।

किसी जीपीएस सिस्टम को सबसे तेज रास्ता खोजने का निर्देश दीजिए, वह वैसा कर दिखाएगा। अब उसे इतनी ताकत दीजिए कि वह रास्ते में आने वाली हर उस चीज को हटा सके, जो उसकी रफ्तार कम करती है- ट्रैफिक लाइटें, टोल बूथ, दूसरी गाड़ियां- तो मंजिल तक पहुंचने के लिए नेविगेटर क्या-क्या कर सकता है?

एआई में इस समय हो रहा असली बदलाव ऐसा ही है। बैंक इसलिए ईमानदार नहीं रहते कि उनके कर्मचारी चोरी न करने का वादा करते हैं,

और हवाई यात्राएं इसलिए सुरक्षित नहीं हैं कि पायलट भरोसेमंद हैं।

हम कई सेफ्टी-लेयर्स बनाते हैं : सीमित पहुंच, संवेदनशील एक्शन के लिए अनुमति, ऐसे रिकॉर्ड जिन्हें इसमें शामिल कोई व्यक्ति बदल न सके और डिप्लॉयमेंट से पहले परीक्षण। एआई के साथ भी यही होना चाहिए। टेक-कंपनियां हमें भरोसा दिलाती रहती हैं कि हमेशा कोई ना कोई मनुष्य प्रक्रिया में शामिल होगा। लेकिन हगिंग फेस में हुई सेंधमारी इस भरोसे की सीमाएं दिखाती है। एआई अब चैटबॉट्स से निकलकर बैंकिंग, हेल्थकेयर, एनर्जी ग्रिड और सरकारी सेवाओं में प्रवेश कर रहा है।

इसे जिम्मेदारी से विकसित करने का मतलब है कि शक्ति और सीमाएं साथ-साथ स्थापित की जाएं- यह नहीं कि पहले शक्ति दे दी जाए और बाद में सीमाएं तय की जाएं। अब सवाल यह नहीं रह गया है कि एआई सिस्टम्स कितने स्मार्ट हो सकते हैं।

सवाल यह है कि किसी के यह जांचने से पहले कि वे अब भी हमारी सुनते हैं या नहीं, हम उन्हें कितनी ताकत सौंप चुके होंगे। हम इस मामले में गैर-जिम्मेदाराना रवैये का परिचय नहीं दे सकते। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,तारिक मलिक)

उन पिताओं को सलाम, जिन्हें कभी रविवार की भी छुट्टी नहीं मिली!

'क्या तुमने कभी मेरे पिता को स्कूल में होने वाली पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) में आते देखा है? वे हमेशा दफ्तर में व्यस्त रहते थे और मेरे जीवन के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल होने की उन्हें कभी फिक्र नहीं हुई। हमेशा मां ही आती थीं?'। अनुसया से कराता हूं। वे ओडिशा के एक दूरदराज गांव में एक जर्जर मकान में रहते हैं। बुरसी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दिहाड़ी मजदूर के रूप में बिताया। काम की तलाश में वे केरल तक गए, क्योंकि उनके लिए एक दिन काम न करने का मतलब था परिवार का एक दिन भूखा रहना। जब खराब स्वास्थ्य ने उन्हें वापस गांव लौटने पर मजबूर कर दिया और पूरे परिवार की गुजर-बसर खेती से होने वाली आमदनी पर निर्भर हो गई, तब जाकर बुरसी को अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हुआ। बुरसी के बड़े बेटे बिभीषण ने 2021 में कोरापुट के श्री लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया। पिछले साल बेटी मोनालिसा भी उसी कॉलेज में पहुंच गई। इस साल बेटे असरिया और बेटी सुनेमी ने भी क्रमशः भवानीपटना और बलांगीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट हासिल कर ली। उनके भाई के घर में भी कुछ ऐसा ही हुआ। बुरसी के छोटे भाई की बेटी मिनखी ने भी इस साल नीट पास किया और पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया। सात बच्चों के पिता बुरसी के लिए इनमें से कुछ भी आसानी से नहीं हुआ था। बुरसी जैसे पिताओं का सबसे बड़ा सपना बहुत सीधा-सरल होता है- वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वैसी जिंदगी न जिएं, जो उन्होंने जी है। मेरे बच्चो, हो सकता है कि कुछ पिताओं के पास तुम्हारे लिए अपना प्यार जताने का समय न रहा हो। जब तुम फैशनेबल कपड़े चाहते थे, तब शायद वे यह सोच रहे होते थे कि एक दिन और कैसे काम किया जाए। जब तुम चैन की नींद सो रहे थे, तब शायद वे अगले दिन के खर्चों का हिसाब लगा रहे थे। वे तुम्हें अपना समय इसलिए नहीं दे पाए, क्योंकि वे तुम्हें एक बेहतर जिंदगी देने की कोशिश में व्यस्त थे। इसीलिए जब वे तुम्हारे लिए नए कपड़े लेकर आएं, तो उनसे यह भी पूछो कि उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा। जब तुम उस पिज्जा का मजा ले रहे हो, जिसके लिए उन्होंने अपना क्रेडिट कार्ड स्वाइप किया है, तो इस बात पर भी ध्यान दो कि वे खुद क्या खा रहे हैं। और जब वे रात में बिस्तर पर बेचैनी से करवटें बदल रहे हों, तो जाकर उनके पैर दबा आओ। उनसे कहो कि तुम उनके साथ हो और एक परिवार के रूप में हम इस मुश्किल दौर से भी पार निकल जाएंगे। फिर देखना, वे कितने सुकून से सोते हैं। ओडिशा के दूरदराज गांव के बुरसी की कहानी ने मुझे उन गलत समझे गए पिताओं की याद दिला दी, जो मुंबई, दिल्ली और दूसरी जगहों पर साल के 365 दिन काम करते हैं, ताकि उनके 'घर की नैया पार हो जाए'। फंडा यह है कि ज्यादातर घरों में पिता शायद ही कभी कहते हैं, 'मैं तुमसे प्यार करता हूं।' और शायद पितृत्व की यही सबसे खूबसूरत परिभाषा है कि एक व्यक्ति चुपचाप कठिन जिंदगी को स्वीकार कर ले, ताकि उसके बच्चे थोड़ी आसान जिंदगी जी सकें। मैं अनुरोध करूंगा कि ऐसे पिताओं को सलाम कीजिए। एन. रघुरामन



फिल्म 'लक्ष्य' में एक दृश्य है, जिसमें ऋतिक रोशन अपने बचपन के दोस्त से पिता की शिकायत कर रहे होते हैं। पिता उनके द्वारा चुने गए कॅरिअर को लेकर सख्त असहमति रखते हैं। लेकिन आज की कहानी उस हीरो की नहीं, बल्कि उन पिता की है, जिन्हें यह तक नहीं पता कि इतनी मेहनत करके अपने बच्चों का जीवन सुरक्षित करने के लिए भी उनकी आलोचना की जा रही है। यह उन पिताओं की कहानी है, जिन्होंने शायद ही कभी अपने बच्चों से 'आई लव यू' कहा हो, क्योंकि वे अपने प्यार को हकीकत में साबित करने में व्यस्त थे। यह उन पिताओं की कहानी है, जो अपने बच्चों को कभी वीकेंड में बाहर घुमाने नहीं ले जा सके- पीटीएम में जाना तो दूर की बात है। क्योंकि उनके लिए काम से एक दिन की गैरहाजिरी का मतलब था पूरे परिवार के लिए एक दिन की आमदनी का नुकसान। उनके लिए रविवार जैसी कोई चीज नहीं थी। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या आज भी इस दुनिया में ऐसे पिता मौजूद हैं, तो आइए, मैं आपका परिचय 73 वर्षीय बुरसी प्रधान और उनकी 62 वर्षीय पत्नी

दिल की बीमारियों के उजागर हो जाने की राह मत देखिए

पहले यह धारणा आम हुआ करती थी कि हृदय रोग की बीमारी अधेड़ उम्र के बाद ही शुरू होती है। लेकिन अब यह सोच हकीकत से तेजी से दूर होती जा रही है। सच्चाई तो यह है कि कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां अकसर उम्र की तीसरी या चौथी दहाई के लोगों को प्रभावित करती हैं, जो अपने निजी और पेशेवर जीवन के सबसे सक्रिय दौर में होते हैं। मुझे चिंता सिर्फ इस बात की नहीं है कि कितने कम उम्र के मरीज हमारे पास आ रहे हैं, बल्कि इस बात की भी है कि रिस्क फैक्टर्स को कितने लंबे समय तक अनदेखा किया जाता है। हाई ब्लडप्रेशर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल का असामान्य स्तर और मोटापा वर्षों तक हृदय रोग का खतरा बढ़ाते रह सकते हैं, लेकिन इनके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। जब तक किसी कार्डियक समस्या का सामना करना पड़ता है, बचाव का मौका पहले ही हाथ से निकल चुका होता है। भारतीयों की बदलती जीवनशैली भी इस पूरी तस्वीर का एक अहम हिस्सा है। लंबे समय तक डेस्क पर बैठे रहना, कसरत या शारीरिक गतिविधियों की कमी, अनियमित नींद, प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन और तंबाकू का इस्तेमाल- ये सब मिलकर ऐसे जोखिम पैदा कर रहे हैं, जिन्हें युवा आबादी नजरअंदाज नहीं कर सकती। तनाव भी आधुनिक जीवन की एक हकीकत है, खासकर युवा पेशेवरों के लिए, और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक नजरिए में इस पर भी ध्यान देना होगा। प्रिवेंशन पर आधारित हेल्थकेयर को हमारी स्वास्थ्य-व्यवस्था का नियमित हिस्सा बनाना जरूरी है।

इजराइल में आइजनकोट के पीएम बनने का रास्ता साफ,अरब पार्टियों ने समर्थन दिया

तेल अवीव। नेतन्याहू को हटाने के लिए चार विपक्षी नेता एक साथ आएः-चुनाव के बाद 3 नवंबर को नेतन्याहू के विरोधी चार बड़े नेताओं ने हर्जलिया में



बैठक की। इनमें गादी आइजेनकोट, नफ्ताली बेनेट, यायर लापिड और यायर गोलान शामिल थे। इन नेताओं ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए मिलकर काम करने और सरकार बनाने की बातचीत तुरंत शुरू करने पर सहमति जताई। बैठक में इन नेताओं ने राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए चार बुनियादी सिद्धांत तय किए गए। इजराइल यहूदी और लोकतांत्रिक देश बना रहेगा। सरकार देश की आजादी के समय तय किए गए मूल सिद्धांतों का पालन करेगी। देश के सभी नागरिकों को सेना में सेवा देनी होगी। इसके लिए नियम बनाने की कोशिश की जाएगी। हमास को आतंकवादी संगठन मानकर उसकी सैन्य ताकत खत्म की जाएगी और गाजा से उसका शासन खत्म करने की कोशिश होगी। राष्ट्रपति की बैठक में किसने किसका समर्थन किया? नेतन्याहू के समर्थन मेंः धार्मिक दक्षिणपंथी पार्टी शास और धार्मिक जायनिज्म ने नेतन्याहू को दोबारा सरकार बनाने का मौका देने की सिफारिश की। जिहुत पार्टी ने भी उनका समर्थन किया। आइजनकोट के समर्थन मेंः अविगदोर लिबरमैन की यिस्राइल बेतेनु पार्टी ने आइजनकोट को समर्थन दिया। राअम पार्टी का समर्थनः अरब पार्टी राअम ने भी आइजनकोट को सरकार बनाने का मौका देने की सिफारिश की। इसके 8 सांसदों के समर्थन से आइजनकोट के पक्ष में समर्थन दिया। जाइंट लिस्टः 11 सदस्यों वाली जाइंट लिस्ट ने आइजनकोट का समर्थन किया। यूटीजे ने समर्थन नहीं दियाः यूनाइटेड तोरा जूडिज्म की डिगेल हतोरा शाखा ने किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करने से इनकार कर दिया। इसके 4 सांसद हैं। पार्टी के धार्मिक नेताओं ने यह फैसला लिया। 42 दिन में बनानी होगी सरकार, 10 नवंबर को संसद की बैठक

इजराइल में राष्ट्रपति का पद आमतौर पर औपचारिक माना जाता है, लेकिन चुनाव के बाद सरकार गठन में उनकी अहम भूमिका होती है। राष्ट्रपति उस नेता को सरकार बनाने का न्योता देते हैं, जिसके पास संसद में बहुमत जुटाने की सबसे अच्छी संभावना हो। इसके लिए वे सबसे ज्यादा सिफारिशें पाने वाले नेता को चुनने के लिए बाध्य नहीं हैं। सरकार बनाने का मौका मिलने पर संबंधित नेता को 28 दिन का समय दिया जाता है। अगर इस दौरान सरकार नहीं बन पाती, तो राष्ट्रपति 14 दिन का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। यानी कुल 42 दिन में सरकार बनाने की कोशिश पूरी करनी होती है। इजराइल की नई संसद की पहली बैठक 10 नवंबर को होने की उम्मीद है। अगर आइजेनकोट या नेतन्याहू तय समय में सरकार नहीं बना पाते, तो राष्ट्रपति किसी दूसरे नेता को मौका दे सकते हैं। सभी कोशिशें नाकाम होने पर नए चुनाव का रास्ता खुल सकता है।

फारूक अब्दुल्ला बोले- नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी,नाराज 25 विधायकों से मिले

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सरकार गिरने की अटकलों के बीच शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नाराज विधायकों ने



श्रीनगर में पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के घर मीटिंग की। इसमें सीएम उमर भी मौजूद थे। मीटिंग के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी। मैंने विधायकों की शिकायतें सुनी हैं, हम उन पर काम करेंगे। कुछ का समाधान तुरंत होगा, तो कुछ का धीरे-धीरे होगा।' नाराज विधायकों के नेता नजीर गुरेजी ने कहा, 'हमने पार्टी लीडरशिप के सामने अपनी शिकायतें रखी हैं, उन पर जल्द ध्यान दिया जाएगा।' 25 विधायकों की प्रमुख मांगों में सीएम के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाना, डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना या उन्हें पद से हटाना और सरकार के लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है। श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ीः- नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा- 'यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2:40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हूं।' इसके बाद गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ने आगा का इस्तीफा मंजूर कर लिया। अब वो सांसद नहीं हैं। 27 अक्टूबर के कैबिनेट विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 4 विधायक अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू मंत्री बनाए गए। वहीं, निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। इस विस्तार में कई ऐसे वरिष्ठ विधायक मंत्री नहीं बन सके, जिनके नाम की चर्चा थी। इनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल भी शामिल हैं। मुबारक गुल को बाद में फारूक अब्दुल्ला ने अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया। उमर सरकार कैसे गिर सकती है, समझें सीटों का गणितः-जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में कुल 95 सीटें हैं (90 निर्वाचित प्लस 5 मनोनीत)। मनोनीत की जाने वाली सभी सीटें खाली हैं। इसलिए सदन में बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए। अभी एनसी गठबंधन के पास 53 सीटें हैं। अगर 25 विधायक इस्तीफा देते हैं, तो गठबंधन की सीटें घटकर 28 हो जाएंगी। इसके बाद सदन में प्रभावी विधायकों की कुल संख्या 65 रह जाएगी और बहुमत का नया आंकड़ा 33 हो जाएगा। ऐसी स्थिति में 28 सीटों के साथ सरकार अल्पमत में आ जाएगी। 5 साल में देश की 3 बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों में टूट हुई-शिवसेनाः जून 2022 में एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी और पार्टी के ज्यादातर विधायकों को अपने साथ कर लिया। शिंदे ने कांग्रेस-एनसीपी से गठबंधन तोड़कर बीजेपी के साथ मिलकर महाराष्ट्र में नई सरकार बना ली। बाद में चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे के गुट को ही असली शिवसेना मानकर उन्हें पार्टी का नाम और 'तीर-कमान' चुनाव चिह्न दे दिया। एनसीपीः जुलाई 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी जिससे पार्टी दो हिस्सों में बंट गई। अजित पवार अपने समर्थक विधायकों को लेकर महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए और सरकार में मंत्री बन गए। टीएमसीः 2026 में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी में भी एक बड़ी टूट हुई। रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व में विधायकों और सांसदों का एक बड़ा बागी गुट ममता बनर्जी से अलग हो गया। इसके चलते चुनाव आयोग ने टीएमसी का नाम और पुराना चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया और दोनों गुटों को अलग-अलग नए नाम दे दिए।

यूरोप में 15 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद फ्रांस ने फाइटर जेट भेजे, इमरजेंसी लैंडिंग कराई,2 दिन में दूसरी धमकी

रोम।इटली के मिलान से पोलैंड की राजधानी वॉरसॉ जा रही विज एयर की फ्लाइट को बम की धमकी मिली। इसके बाद



विमान को रास्ता बदलकर वियना में उतारा गया। बुखारेस्ट जा रही विज एयर की एक दूसरी फ्लाइट को भी धमकी मिली, लेकिन वह सुरक्षित उतर गई। पोलैंड की एयरलाइन एलओटी की वॉरसॉ से ब्रसेल्स जा रही फ्लाइट को भी सुरक्षा संबंधी चेतावनी मिली। ब्रसेल्स में उतरने के बाद विमान की जांच की गई, लेकिन उसमें कोई संदिग्ध सामान नहीं मिलाः- बुल्गारिया और चेक गणराज्य की फ्लाइट्स को भी धमकी- बुल्गारिया की राजधानी सोफिया जा रही रयानएयर की तीन फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली। इनमें से दो विमान डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन और स्पेन की राजधानी मैड्रिड से आ रहे थे। दोनों सोफिया एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरे। वहीं, लंदन से आ रहे तीसरे विमान को बुल्गारिया के दूसरे सबसे बड़े शहर प्लोवदिव में उतारा गया।चेक गणराज्य की राजधानी प्राग जा रही चार फ्लाइट्स को भी धमकियां मिलीं। पुलिस के मुताबिक, चारों विमान सुरक्षित उतरे और जांच में कोई विस्फोटक या संदिग्ध डिवाइस नहीं मिला। इसके अलावा ग्रीस के थेसालोनिकी से मिलान आ रही एजियन एयरलाइंस और पुर्तगाल के पोर्टो से मिलान आ रही रयानएयर की फ्लाइट को भी बम की धमकी मिली। दोनों विमान सुरक्षित उतरे। एयरपोर्ट पर बम निरोधक विशेषज्ञों ने उनकी जांच की। एक्सपर्ट बोले- इतनी धमकियां मिलना सामान्य नहीं- ब्रिटेन के एयर ट्रांसपोर्ट सिक्योरिटी एक्सपर्ट पॉल मेसन ने बीबीसी को बताया कि यात्री विमानों को बम की धमकी मिलना आम बात नहीं है। इस हफ्ते अलग-अलग देशों और एयरलाइंस के विमानों को जिस तरह निशाना बनाया गया है, वह असामान्य है। मेसन के मुताबिक, अलग-अलग एयरलाइंस को विश्वसनीय तरीके से धमकियां दी गई हैं। इससे लगता है कि ये घटनाएं महज इत्तेफाक नहीं, बल्कि किसी एक पक्ष की सोची-समझी कार्रवाई हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि धमकी मिलने के बाद एयरलाइन के क्रू मेंबर और जमीन पर मौजूद कर्मचारी कई स्तरों पर उसकी गंभीरता की जांच करते हैं। इसके बाद ही विमान को डायवर्ट करने या इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया जाता है। कुछ धमकियां एयरलाइंस को ईमेल के जरिए भेजी गई थीं। हालांकि, सभी धमकियों का तरीका और उनका सोर्स अभी साफ नहीं है। यूरोप में हाइब्रिड वॉरफेयर का खतरा बढ़ाः- यूरोप में हाल के दिनों में विमानों को बम की धमकियां मिलने के अलावा सुपरमार्केट और ब्लड बैंक के सिस्टम पर साइबर हमले भी हुए हैं। कई देशों के सुपरमार्केट में हैकर्स ने फ्रिज और फ्रीजर सिस्टम को निशाना बनाया। इससे तापमान बढ़ने के कारण बड़ी मात्रा में खाने-पीने का सामान खराब हो गया। फ्रांस में ब्लड बैंक के सिस्टम पर भी हमला हुआ, लेकिन वहां खून के स्टॉक को नुकसान नहीं पहुंचा। इन घटनाओं के बीच यूरोपीय देशों को आशंका है कि रूस और ईरान जैसे देश सीधे युद्ध किए बिना साइबर हमलों, तोड़फोड़ और जासूसी के जरिए अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसे हाइब्रिड वॉरफेयर कहा जाता है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-5 के प्रमुख केन मैक्कलम ने अक्टूबर में कहा था कि रूस की सैन्य और खुफिया एजेंसियां ऐसी गतिविधियां बढ़ा रही हैं।

अब सरकारी ठिकानों के साथ आम लोगों, कारोबार और समुदायों को भी निशाना बनाया जा रहा है। वहीं, एमआई6 के प्रमुख ने कहा था कि ईरान यूरोप में अपने विरोधियों, ईरानी मीडिया संस्थानों और इजराइली ठिकानों को डराने के लिए आपराधिक गिरोहों का इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि, विमानों को मिली धमकियों और साइबर हमलों के पीछे रूस या ईरान का हाथ होने का अब तक कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है। किसी संगठन ने इन घटनाओं की जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

फ्लाइट/कागजी कार्रवाई में लग रहे थे 24 घंटे- अटारी-वाघा बॉर्डर से लौटे 49 पाकिस्तानी श्रद्धालु

अमृतसर। अमृतसर में अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते 49



पाकिस्तानी सिख श्रद्धालु अपनी करीब एक महीने की धार्मिक यात्रा पूरी करने के बाद वतन लौट गए। ये श्रद्धालु पाकिस्तान के ननकाना साहिब और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। भारत में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने श्री हेमकुंट साहिब, श्री आनंदपुर साहिब, सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब और दिल्ली के विभिन्न ऐतिहासिक गुरुद्वारों में माथा टेका। यात्रा पूरी करने के बाद अटारी बॉर्डर पर इमिग्रेशन और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें पाकिस्तान रवाना किया गया। दरअसल, इन श्रद्धालुओं को वापसी के लिए हवाई मार्ग से जाना था। इस प्रक्रिया में कनेक्टिंग फ्लाइट और कागजी कार्रवाई के कारण करीब 22 से 24 घंटे का समय लग रहा था। इससे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हो रही थी। उनकी इस समस्या को देखते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने केंद्र सरकार से सड़क मार्ग से वापसी की अनुमति देने की अपील की थी। केंद्र सरकार ने दी सड़क मार्ग से लौटने की अनुमतिः- श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं और उनकी परेशानी को देखते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान लौटने की अनुमति दे दी। इसके बाद सभी 49 श्रद्धालु सड़क मार्ग से सुरक्षित अपने देश पहुंच गए। जत्थे में शामिल ननकाना साहिब के श्रद्धालु भूपिंदर सिंह ने बताया कि वे 30 दिन के वीजा पर भारत आए थे। इस दौरान श्री हेमकुंट साहिब और श्री हरिमंदिर साहिब के दर्शन करना उनके जीवन का यादगार अनुभव रहा। उन्होंने यात्रा के दौरान किए गए प्रबंधों के लिए भारत सरकार, पाकिस्तान सरकार और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का धन्यवाद किया। वहीं, वतन लौटते समय श्रद्धालुओं ने दोनों देशों की सरकारों से अपील की कि धार्मिक यात्राओं के लिए दोनों तरफ के रास्ते आसान किए जाएं।उन्होंने कहा कि जिस तरह करतारपुर साहिब कॉरिडोर के जरिए भारतीय श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित गुरुधामों के दर्शन करते हैं, उसी तरह पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को भी भारत के ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करने की सुविधा मिलनी चाहिए। दोनों देशों में अमन-शांति की अपीलः- श्रद्धालुओं ने कहा कि इस तरह की पहल से दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी भाईचारा और संबंध मजबूत होंगे। उन्होंने दोनों देशों में अमन-शांति बनाए रखने की भी अपील की।

अमृतसर से बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में लगी आग, इंजन से पांचवें डिब्बे तक धुआं निकला

पटियाला/लुधियाना। पंजाब के राजपुरा में शुक्रवार दोपहर को चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में



अचानक आग लग गई। आग का पता लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आग अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में लगी। ट्रेन के इंजन से पांचवें कोच तक आग फैलने की सूचना है। इसके बाद ट्रेन को रोककर यात्रियों को बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों को अलर्ट किया गया। रेलवे के अनुसार, ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार जनरल कोच में आग लगने की सूचना मिली। ट्रेन दोपहर 12:58 बजे फतेहगढ़ साहिब के साधूगढ़ रेलवे स्टेशन से निकली थी। इसके कुछ देर बाद इंजन से पांचवें कोच नंबर 265287जीएस तक आग लगने की जानकारी मिली। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया जा रहा है। घटना के बाद रेलवे ने 8 ट्रेनों के रूट डायवर्ट कर दिए। रेलवे ने 8 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए-कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग लगने की घटना के बाद रेल यातायात प्रभावित हुआ है। इसके चलते रेलवे ने 8 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए हैं। अंबाला मंडल की ओर से जारी डायवर्जन प्लान के अनुसार डाउन दिशा की 5 और अप दिशा की 3 ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया गया। अंबाला रेलवे मंडल की मेडिकल टीम रवाना- अंबाला रेलवे मंडल के पीआरओ नीरज ने बताया क अमृतसर से बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना के बाद अंबाला रेलवे मंडल की मेडिकल टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है। डीआरएम विनोद कुमार भाटिया भी मौके पर पहुंचे हैं।

अमेरिका में रिपब्लिकन का 50 साल में सबसे खराब प्रदर्शन,चुनाव के लिए रिकॉर्ड पैसा लगाया

वॉशिंगटन डीसी।उनसे बातचीत करने वाले एक व्यक्ति के मुताबिक, ट्रम्प ने पूछा भी था, "अगर हम ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू ही नहीं करते, तो मिडटर्म चुनाव में क्या होता?" ईरान युद्ध ने लोगों को बहुत नाराज किया क्योंकि ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में वादा किया था कि अमेरिका कोई नया युद्ध शुरू नहीं करेगा। लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने खुद नया युद्ध शुरू कर दिया। उन्होंने महंगाई कम करने का वादा किया था। लेकिन पेट्रोल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं और महंगाई भी बढ़ गई। पेट्रोल की कीमतें बढ़ने पर ट्रम्प ने कहा, "यह एक छोटी सी कीमत है, जिसे चुकाया जा सकता है।" ट्रम्प का जंग खत्म करने का अनुमान गलत साबित हुआः- ट्रम्प ने जब ईरान के खिलाफ जंग शुरू की तो उन्हें भरोसा था कि यह जल्दी खत्म हो जाएगा और अमेरिका को बड़ी जीत मिलेगी। लेकिन ट्रम्प का अनुमान गलत साबित हुआ। ट्रम्प लगातार दावा कर रहे थे कि अमेरिका ने जीत हासिल की है। लेकिन निजी बैठकों में उनके सलाहकार उन्हें होर्मुज स्ट्रेट बंद होने, पेट्रोल और खाद की कीमतें बढ़ने और अमेरिकी हथियारों के भंडार में तेजी से कमी आने की जानकारी दे रहे थे। युद्ध शुरू होने के करीब दो हफ्ते बाद मार्च में मतदाताओं के बीच सर्वे किया गया। इसमें पता चला कि लोगों को समझ नहीं



आ रहा था कि राष्ट्रपति ने युद्ध शुरू ही क्यों किया। लोगों को लग रहा था कि ट्रम्प ने अपना वादा तोड़ा है और अब इस युद्ध के कारण उनकी रोजमर्रा की जिंदगी महंगी हो रही है। युद्ध का विरोध करने वाले ट्रम्प के कुछ पुराने सहयोगी भी अब खुलकर उनके खिलाफ हो गए थे। इनमें टकर कार्लसन और जॉर्जिया की पूर्व सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन शामिल थीं। सलाहकारों के मुताबिक, ट्रम्प जानते थे कि युद्ध के कारण उनका समर्थन घट रहा है। लेकिन कुछ समय के लिए उन्हें लगा कि अब इस मुसीबत से बाहर निकलने का रास्ता मिल गया है। ट्रम्प अपने शौक में उलझे रहे, जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दियाः-ट्रम्प की टीम के कुछ सदस्य इस बात से परेशान थे कि ट्रम्प सीमा सुरक्षा की तुलना में अपने नए बॉलरूम की ज्यादा बात करते थे। उन्हें किराने के सामान की बढ़ती कीमतों से ज्यादा गोल्फ कोर्स की चिंता थी। महंगाई के बजाय वे इमारतों की सजावट पर ध्यान दे रहे थे। मिडटर्म चुनाव से ठीक पहले अपने आखिरी चुनावी भाषण में भी उन्होंने नेशनल मॉल के रिफ्लेक्टिंग पूल के नवीनीकरण की बात की। मजाक में कहा कि वे इसका नाम अब्राहम लिंकन के बजाय अपने नाम पर रखने के बारे में सोच रहे हैं। यही वह दूरी थी, जिसे लेकर उनकी टीम के लोग चिंतित थे। एक तरफ आम अमेरिकी महंगाई, महंगे पेट्रोल और ईरान युद्ध से परेशान थे, दूसरी तरफ राष्ट्रपति का ध्यान उन मुद्दों पर नहीं दिख रहा था। 28 अक्टूबर की वीडियो कॉल में जिस हार का अंदाजा लगाकर उनकी टीम अंतिम संस्कार और देश छोड़ने के मजाक कर रही थी, एक हफ्ते बाद चुनाव नतीजों ने उस डर को हकीकत में बदल दिया।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग में 7 की मौत,प्रदर्शनकारियों पर हमला किया- मरने वालों में बच्चे भी शामिल

रावलकोट।आंदोलन की 4 बड़ी वजहेंः- 1. विधानसभा की 12



आरक्षित सीटों का विवाद- पीओके विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें से 12 सीटें पाकिस्तान में रहने वाले कश्मीर मूल के लोगों के लिए आरक्षित हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन सीटों के जरिए पाकिस्तान की सरकार पीओके की राजनीति में दखल देती है। उनका कहना है कि इन सीटों पर स्थानीय लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं होता। 7 जून को पीओके के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह विवाद और बढ़ गया। अदालत ने कहा था कि इन सीटों को संवैधानिक बदलाव के बिना खत्म नहीं किया जा सकता। 2. बिजली और मंगला डैम का मुद्दाः-पीओके के मंगला डैम से बड़ी मात्रा में बिजली बनाई जाती है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्हें बिजली महंगे दामों पर मिलती है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि डैम से बनने वाली बिजली स्थानीय लोगों को कम कीमत पर दी जाए। 3. महंगाई और आटे की कमीः- पीओके में महंगाई, महंगा आटा और दूसरी जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों से लोग परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि बिजली के साथ आटे पर भी सब्सिडी दी जाए, ताकि आम परिवारों को राहत मिल सके। 4. पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की वापसीः-प्रदर्शनकारियों की मांग है कि आंदोलन को दबाने के लिए तैनात पाकिस्तानी रेंजर्स और सेना को वापस बुलाया जाए। इसके अलावा अवामी एक्शन कमेटी के नेताओं पर आतंकवाद निरोधक कानून के तहत दर्ज मामले खत्म करने की मांग भी की जा रही है।

फ्रांस में सरकारी ब्लड बैंक का कूलिंग सिस्टम हैक,खून को 110डिग्री तक खौलाने की साजिश

इससे 1900 अस्पताल जुड़े; पहले 700 सुपर मार्केट हैक हुए

पेरिस।इंटरनेट से जुड़े फ्रीजर कंट्रोल सिस्टम में सेंध लगाईः- फ्रीजर का तापमान नियंत्रित करने के लिए दुकानों और कोल्ड स्टोरेज सेंटर में खास इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर



लगे होते हैं। इनकी मदद से तापमान की निगरानी और उसे दूर से नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ सिस्टम इंटरनेट से जुड़े होते हैं, ताकि उपकरण उपलब्ध कराने वाली कंपनी या तकनीकी कर्मचारी कहीं से भी उनकी जांच और मरम्मत कर सकें। फ्रांस की सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसी ऐंऊं-ईं ने 12 अक्टूबर को ही रेफ्रिजरेशन कंट्रोलर पर हमलों को लेकर चेतावनी जारी की थी। एजेंसी के मुताबिक, इन उपकरणों के कई कंट्रोलर इंटरनेट पर सीधे उपलब्ध थे। इनमें डिफॉल्ट पासवर्ड जैसी सुरक्षा संबंधी कमजोरियां थीं। डिफॉल्ट पासवर्ड (पहले से तय पासवर्ड) वह पासवर्ड होता है, जो किसी मशीन, डिवाइस या सॉफ्टवेयर में कंपनी की तरफ से पहले से सेट करके दिया जाता है। अगर मशीन लगाने के बाद उसका पासवर्ड नहीं बदला गया, तो हैकर उसी पुराने पासवर्ड से सिस्टम में घुसने की कोशिश कर सकते हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब यूरोप के कई देशों में सुपरमार्केट के फ्रीजर सिस्टम को भी निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों में हैकर्स ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान बढ़ा दिया, जिससे बड़ी मात्रा में खाने-पीने का सामान खराब हो गया। यूरोप में फ्रीजर हैकिंग के 3 मामलेः- पहला हमलाः 11 अक्टूबरः-फ्रांस के करीब 700 सुपरमार्केट के रेफ्रिजरेशन सिस्टम को निशाना बनाया गया। इंटरमार्शे, कैरेफोर, मोनोप्रिक्स और ई. लेक्लर्क जैसे स्टोर प्रभावित हुए। हैकर्स ने फ्रीजर को डिफ्रॉस्ट मोड में डाल दिया, जिससे तापमान बढ़ गया। बड़ी मात्रा में फ्रोजन और दूसरे खाद्य पदार्थ खराब हो गए। कुछ जगह आग लगने की भी खबर आई। दूसरा हमलाः 1 नवंबरः- इस बार फ्रांस के अलावा बेल्जियम, नीदरलैंड, स्वीडन समेत 9 देशों में हमले हुए।100 से ज्यादा दुकानों के फ्रीजर प्रभावित हुए। कुछ रिपोर्टों में यह संख्या 115 से ज्यादा बताई गई है। फिनलैंड, इटली और पुर्तगाल में भी ऐसी घटनाएं सामने आईं। कई दुकानों को खराब होने के डर से फ्रोजन और ठंडे खाद्य पदार्थ हटाने पड़े। हमलों के पीछे रूस समर्थित हैकरों का शक, लेकिन पुख्ता सबूत नहीं। तीसरा हमलाः 2 नवंबरः-लंदन में लैंगरिज ऑर्गेनिक के 10 में से 6 कोल्ड स्टोरेज सिस्टम हैक कर लिए गए। हैकर्स ने सिस्टम को डिफ्रॉस्ट मोड में डालकर तापमान करीब 66 डिग्री सेल्सियस तक सेट कर दिया। तापमान बढ़ने पर कंपनी को अलर्ट भेजने वाली व्यवस्था भी बंद कर दी गई। कंपनी ने सुबह गड़बड़ी देखी और सिस्टम का इंटरनेट कनेक्शन काट दिया। इससे हैंकिंग से बचा जा सका। रूस पर हमले का शकः- यूरोप में हुए इन साइबर हमलों के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हुआ है। हालांकि, रूस समर्थित हैकर समूहों की भूमिका को लेकर शक जताया जा रहा है। आयरलैंड की न्यूज वेबसाइट आरटीई की 5 नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस समर्थक दो हैकर समूहों नोनेम057(16) और जेड-पेंटेस्ट अलायंस ने डैनफॉस कंपनी की तकनीक को हैक करने का दावा किया था।

डैनफॉस रेफ्रिजरेशन सिस्टम और तापमान नियंत्रित करने वाले उपकरण बनाती है। हैकर समूहों के दावे से इन हमलों में उनकी संभावित भूमिका को लेकर सवाल उठे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है कि फ्रांस के सुपरमार्केट और ब्लड बैंक पर हुए हमलों के पीछे यही समूह थे। यूरोपीय जांच एजेंसियों ने भी किसी देश या संगठन को इन हमलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि अलग-अलग देशों में हुए हमले एक ही अभियान का हिस्सा थे या इनके पीछे अलग-अलग हैकर समूह काम कर रहे थे।

महिलाए होती हैं साइबर ठगों की आसान शिकार,'फोन हैक' होने पर मिलते 11 संकेत,एक्सपर्ट से जानें इस स्कैम से कैसे बचें

लखनऊ। हाल ही में मुंबई की एक 78 साल की बुजुर्ग महिला के साथ 25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया। साइबर क्रिमिनल्स ने महिला का



फोन हैक करके इस स्कैम को अंजाम दिया। स्कैमर्स ने वॉट्सएप के जरिए महिला से संपर्क किया और खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताया। बातचीत से भरोसा जीतने के बाद कनेक्शन में नाम अपडेट के लिए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने और पेमेंट करने को कहा। महिला के पेमेंट करते ही उनका फोन हैक हो गया और खाते से 25 लाख रुपए कट गए। ऐसे में इस स्कैम को समझना बेहद जरूरी है।इसलिए 'साइबर लिटरेसी' कॉलम में आज हम 'फोन हैकिंग स्कैम' के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है?फोन हैकिंग से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः राहुल मिश्रा, साइबर सिक्योरिटी एडवाइजर, उत्तर प्रदेश पुलिस जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम क्या है? जवाब- ये एक तरह का साइबर फ्रॉड है।इस स्कैम में ठग यूजर का फोन हैक कर लेते हैं। इसके जरिए सेंसिटिव इन्फॉर्मेशन चुरा लेते हैं। बैंक डिटेल्स और पासवर्ड पता कर लेते हैं। इसके बाद बैंक अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं। फोन हैकिंग के लिए ठग फर्जी लिंक, एपीके फाइल का सहारा लेते हैं। सवाल- स्कैमर्स किन तरीकों से फोन हैक कर सकते हैं? जवाब- स्कैमर्स अलग-अलग तरीकों से यूजर को फंसाकर फोन का एक्सेस ले लेते हैं। उनमे से कुछ तरीके-फिशिंग लिंक / मैसेज भेजकर, एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर।

ओटीपी/ वेरिफिकेशन कोड लेकर। सिम स्वैप /सिम हाइजैक करके। कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिवेट



करके। फर्जी कॉल से भरोसा जीतकर। फिशिंग लिंक/फेक मैसेज फ्रॉड, एसएमएस या वॉट्सएप पर फर्जी लिंक भेजते हैं, जो बैंक, केवाईसी या प्रोडक्ट डिलीवरी के नाम पर होते हैं। लिंक पर क्लिक करते ही यूजर की पर्सनल और बैंकिंग जानकारी स्कैमर्स तक पहुंच जाती है। एपीके फाइल के जरिए फ्रॉड ठग यूजर से एपीके फाइल डाउनलोड करवाते हैं। इंस्टॉल होते ही यह एप फोन का डेटा, मैसेज और ओटीपी तक एक्सेस कर लेता हैं।ओटीपी या वेरिफिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड स्कैमर्स खुद को बैंक या सर्विस एजेंट बताकर ओटीपी मांगते हैं। ओटीपी मिलते ही यूजर का अकाउंट-पासवर्ड बदलकर कंट्रोल ले लेते हैं। सिम स्वैप फ्रॉड ठग यूजर की जानकारी जुटाकर मोबाइल कंपनी से उसका नंबर नए सिम पर ट्रांसफर करवा लेते हैं।इससे असली सिम बंद हो जाता है और सभी ओटीपी स्कैमर को मिलने लगते हैं। कॉल फॉरवर्डिंग फ्रॉड- यूजर से कोई यूएसएसडी कोड डायल करवाया जाता है, जिससे उसकी कॉल्स दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड हो जाती हैं। इससे ओटीपी कॉल्स और जरूरी कॉल्स सीधे स्कैमर तक पहुंचती हैं। सोशल इंजीनियरिंग- ठग बैंक अधिकारी, कस्टमर केयर या सरकारी एजेंट बनकर कॉल करते हैं। वे यूजर को डर या लालच देकर उसकी जानकारी और एक्सेस ले लेते हैं।सवाल- फोन हैकिंग से क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- फोन हैक करने के बाद स्कैमर्स पैसे उड़ाने के साथ के साथ निजी डेटा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। यूजर के अकाउंट्स से दूसरों को भी ठगी का शिकार बना सकते हैं। सवाल- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ हैं? अचानक नेटवर्क चला जाए। अचानक सिम बंद हो जाए। बेवजह ओटीपी आने लगें। अलर्ट मैसेज आने लगें। फर्जी ट्रांजैक्शन हो।अकाउंट्स लॉगआउट हो जाएं। संदिग्ध एक्टिविटी दिखे। फोन स्लो चलने लगे। कॉन्टैक्ट्स को फर्जी मैसेज मिले।अनजान एप्स इंस्टॉल्ड दिखें। कॉल/एसएमएस फॉरवर्ड होने लगे।सवाल- फोन हैकिंग का पता चलने पर तुरंत क्या करना चाहिए?जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं, तुरंत कार्रवाई करें- सिम सर्विस प्रोवाइडर से अपना सिम ब्लॉक करवाएं।बैंक से संपर्क करके अकाउंट्स ब्लॉक कराएं।किसी दूसरे डिवाइस से सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड बदलें।सभी संदिग्ध एप्स अनइंस्टॉल करें। फोन फैक्टरी रीसेट करें।नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज करें। साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत करें। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- किसी भी स्कैम से बचने के लिए सतर्क रहना सबसे जरूरी है।छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर अपने फोन और अकाउंट्स को सुरक्षित रख सकते हैं। 1. फर्जी कॉल पर बात न करें। 2 किसी के बहकावे, डर में न आएं। 3 किसी भी ऑफर पर भरोसा न करें। 4 अनजान लिंक पर क्लिक न करें। 5 फोन में जरूरी एप ही रखें। 6 एपीके फाइल पर क्लिक न करें। 7 ओटीपी, पिन किसी से शेयर न करें। 8 फोन पासवर्ड मजबूत रखें। 9 टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। 10 फोन में लॉक लगाकर रखें। 11. फोन, एप्स हमेशा अपडेटेड रखें। सवाल- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) क्या है? इसे फोन में इनेबल करना क्यों जरूरी है?जवाब- यह फोन को अतिरिक्त सुरक्षा देता है। जैसेकि- लॉगिन के लिए पासवर्ड के अलावा दूसरा वेरिफिकेशन (जैसे ओटीपी, फिंगरप्रिंट या ऑथेंटिकेटर एप कोड) भी जरूरी होता है।

अगर गलती से पासवर्ड लीक हो जाए, तब भी अकाउंट सेफ रहने के चांस रहते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति आपके अकाउंट में आसानी से लॉगिन नहीं कर सकता है।साइबर फ्रॉड से बचाव का सबसे आसान और जरूरी तरीका है - संदेह करना। कोई भी कॉल, लिंक या ऑफर अगर असामान्य लगे, तो तुरंत रुकें और उसे वेरिफाई करें। वेरिफाई न हो तो मानकर चलें कि वो फ्रॉड ही है।सवाल- फोन हैक की शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब- सबसे पहले अपने बैंक और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर को सूचित करें। नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके तुरंत सहायता लें। cybercrime.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। नजदीकी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें। शिकायत करते समय सभी सबूत (जैसे स्क्रीनशॉट, मैसेज या कॉल डिटेल) साथ रखें, ताकि कार्रवाई जल्दी हो सके।

हिमेश को सलमान से ज्यादा मिली थीं तालियां,आहत हुआ था भाईजान का ईगो, 'नाक से गाता है' कहकर उड़ाया था मजाक, सालों बाद सुधरे रिश्ते

मुंबई। कभी उनके गाने चार्टबस्टर होते थे, तो कभी उनकी आवाज का मजाक उड़ता था। किसी ने उन्हें नाक से गाने वाला सिंगर कहा, तो किसी ने एक्टिंग पर सवाल उठाए। फिल्मों



में असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। हिमेश रेशमिया ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने की जिद नहीं छोड़ी। सलमान खान की फिल्मों से संगीतकार के तौर पर शुरुआत करने वाले हिमेश ने 'तेरे नाम', 'आशिक बनाया आपने' और 'झलक दिखला जा' जैसे गानों से देशभर में धूम मचाई। इसके बाद वह सिंगर बने, स्टेज शोज में लोकप्रिय हुए और फिल्मों में हीरो भी बने। इस दौरान सलमान खान से अनबन की खबरें आईं, लेकिन बाद में रिश्ते सुधरे और दोनों ने फिर साथ काम किया। आलोचनाओं और उतार-चढ़ाव के बीच उनका संगीत का सफर जारी है। 16 साल की उम्र में काम शुरू कियाः- हिमेश रेशमिया रातोंरात स्टार नहीं बने। उनका जन्म 23 जुलाई 1973 को मुंबई में हुआ। उनके पिता विपिन रेशमिया भी संगीतकार थे। घर में संगीत का माहौल था, लेकिन हिमेश ने कम उम्र से ही काम शुरू कर दिया था। रेडिफ को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि 16 साल की उम्र में अपना पहला टेलीविजन सीरियल प्रोड्यूस किया था। उनका लक्ष्य शुरू से संगीतकार बनना था। टेलीविजन के लिए काम करते हुए उन्होंने संगीत की बारीकियां सीखीं। सीरियल 'अंदाज' के टाइटल ट्रैक से संगीतकार के तौर पर पहचान बनानी शुरू की। बॉलीवुड में जगह बनाना आसान नहीं था। उस दौर में अनु मलिक, जतिन-ललित और शंकर-एहसान-लॉय जैसे संगीतकारों का दबदबा था। हिमेश छोटे प्रोजेक्ट्स करते रहे और बड़े मौके का इंतजार करते रहे। सलमान खान की फिल्म से बॉलीवुड में एंट्री, 'तेरे नाम' ने दिलाई पहचानः- हिमेश के करियर में सलमान खान की अहम भूमिका रही। 1998 में फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' से उन्हें बॉलीवुड में संगीतकार के तौर पर बड़ा मौका मिला। इसके बाद उन्होंने 'बंधन', 'हैलो ब्रदर' और 'दुल्हन हम ले जाएंगे' जैसी फिल्मों में काम किया। असली पहचान 2003 में आई सलमान खान की फिल्म 'तेरे नाम' से मिली। फिल्म के गाने युवाओं के बीच लोकप्रिय हुए। खासकर 'क्यों किसी को', 'तुमसे मिलना' और 'लगन लगी' ने उन्हें इंडस्ट्री के चर्चित संगीतकारों में शामिल कर दिया। इसके बाद उन्होंने 'हमराज', 'ऐतराज', 'मैंने प्यार क्यों किया', 'दिल मांगे मोर', 'आशिक बनाया आपने' और 'शादी से पहले' में संगीत दिया। रेडिफ को 2006 में दिए इंटरव्यू में हिमेश ने बताया था कि छह महीने में उनके 27 गाने चार्टबस्टर हुए थे। वहीं, 2009 के इंटरव्यू में उनके लगातार 36 हिट गानों का जिक्र किया गया था। इससे उनकी लोकप्रियता का अंदाजा मिलता है। संगीतकार ने खुद गायक बनने का फैसला कियाः-संगीतकार के तौर पर सफलता के बाद हिमेश ने अपनी धुनों को आवाज देने का फैसला किया। 2005 में फिल्म 'आशिक बनाया आपने' के टाइटल ट्रैक से गायक के तौर पर पहचान बनाई। रिलीज होते ही यह गाना युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गया। इमरान हाशमी और तनुश्री दत्ता पर फिल्माए गए इस गाने ने हिमेश को लोकप्रिय सिंगर बना दिया। इसके बाद 'झलक दिखला जा', 'आशिकी में तेरी', 'तेरा सुरूर', 'जरा झूम झूम', 'शकलाका बूम बूम', 'हुक्का बार', 'तंदूरी नाइट्स' और 'नाम है तेरा' जैसे गानों से उनकी लोकप्रियता और बढ़ी। एक इंटरव्यू में हिमेश ने कहा था कि वह खुद को सबसे पहले संगीतकार मानते हैं। उनके मुताबिक, जब वह अपनी बनाई छह धुनों में से एक गाना खुद गाते हैं, तो इसमें परेशानी की क्या बात है? 'नाक से गाता है' कहकर उड़ाया मजाक, आरडी बर्मन से तुलना भी पड़ी भारीः- सिंगर बनने के बाद हिमेश को लोकप्रियता के साथ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। उनकी आवाज पर सबसे ज्यादा टिप्पणियां हुईं। आलोचक कहते थे कि वह नाक से गाते हैं। सोशल मीडिया के दौर से पहले ही उनकी आवाज का खूब मजाक उड़ाया जाता था। 2020 में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में हिमेश ने स्वीकार किया था कि शुरुआती दौर में इस आलोचना से उन्हें गुस्सा आता था। उन्होंने बताया कि 2006 में उन्हें नाक से गाने वाला कहा गया, तब वह काफी प्रभावित हुए थे। उस समय उनके लगभग हर गाने को सफलता मिल रही थी, फिर भी उनकी आवाज पर सवाल उठाए जा रहे थे। आवाज का बचाव करते हुए उन्होंने दिग्गज संगीतकार और गायक आरडी बर्मन का उदाहरण दिया था। इस पर गायिका आशा भोसले ने उनकी टिप्पणी पर नाराजगी जताई थी। बाद में हिमेश ने गलती स्वीकार कर माफी भी मांगी। आलोचनाओं का असर उनके गानों की लोकप्रियता पर नहीं पड़ा। 'आशिक बनाया आपने' के लिए उन्हें 2006 में फिल्मफेयर का बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर अवॉर्ड मिला। वह संगीतकार रहते हुए यह पुरस्कार जीतने वाले पहले व्यक्ति बने थे। सलमान से दोस्ती, फिर नागपुर कॉन्सर्ट में अनबनः हिमेश को मिलीं ज्यादा तालियां तो आहत हुआ सलमान का ईगोः-हिमेश की सफलता में सलमान खान का अहम योगदान रहा। सलमान ने शुरुआती दौर में हिमेश को मौके दिए और अपनी फिल्मों में संगीत तैयार करने का अवसर दिया। एक वक्त ऐसा भी आया, जब दोनों के रिश्तों में खटास आ गई। इसकी वजह नागपुर का एक कॉन्सर्ट बताया जाता है। 2009 में मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार्यक्रम में सलमान और हिमेश दोनों ने परफॉर्म किया था। दर्शकों ने सलमान के मुकाबले हिमेश का ज्यादा उत्साह से स्वागत किया। उनके लिए ज्यादा तालियां बजीं और दर्शक अधिक उत्साहित नजर आए। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इस घटना से सलमान का ईगो आहत हुआ। इसके बाद दोनों के बीच दूरियां बढ़ीं और बातचीत बंद हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान कई मौकों पर हिमेश की नाक से गाने वाली आवाज का मजाक उड़ाते थे। जुलाई 2007 में टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में हिमेश ने नागपुर कॉन्सर्ट को लेकर दोनों के बीच मतभेद की बात स्वीकार की थी। उन्होंने विवाद की असली वजह विस्तार से नहीं बताई। यह भी कहा था कि मामला सुलझ चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। 'आशिक बनाया आपने' के बाद हिमेश सिंगर के तौर पर भी स्टार बन चुके थे। वह फिल्मों में अभिनेता के रूप में नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान सलमान और हिमेश के रिश्तों को लेकर कई तरह की खबरें सामने आती रहीं। 2007 में रेडिफ को दिए इंटरव्यू में सलमान ने हिमेश से नाराजगी की खबरों को खारिज किया था। वहीं, करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में हिमेश ने सलमान को अपना मेंटर बताया था और उनके प्रति सम्मान और प्यार जाहिर किया था। 2009 में 'दस का दम' के सेट पर गले मिले दोनोंः-दोनों के रिश्तों में सुधार की खबर सितंबर 2009 में आई। टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान और हिमेश की मुलाकात आरके स्टूडियो में 'दस का दम' के सेट पर हुई थी। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और पुराने दोस्तों की तरह मिले। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मुलाकात से दोनों के बीच की दूरियां खत्म होती नजर आईं। 'बॉडीगार्ड' से फिर साथ आए सलमान और हिमेशः- इसके बाद दोनों ने साथ काम करना शुरू किया। 2011 में रिलीज सलमान खान की फिल्म 'बॉडीगार्ड' का संगीत हिमेश ने तैयार किया। फिल्म का गाना 'तेरी मेरी' खास तौर पर लोकप्रिय हुआ। हिमेश ने एक इंटरव्यू में बताया था कि सलमान ने धुन बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव भी दिए थे। 2014 में 'किक' और 2015 में 'प्रेम रतन धन पायो' के संगीत



से भी हिमेश सलमान के साथ जुड़े। फरवरी 2025 में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में उन्होंने सलमान के योगदान को याद किया। बताया कि सलमान ने उन्हें करियर का पहला बड़ा मौका दिया था। उनकी वजह से वह टेलीविजन सीरियल प्रोड्यूस करने से आगे बढ़कर बॉलीवुड में संगीतकार के तौर पर पहचान बना सके। स्टेज शोज में दिखा स्टारडम, विदेशों तक पहुंची लोकप्रियताः-हिमेश की लोकप्रियता फिल्मों तक सीमित नहीं रही। उनके गाने डांस पार्टियों, क्लबों और लाइव कॉन्सर्ट में खूब बजने लगे। खासकर 'आशिक बनाया आपने' और 'झलक दिखला जा' ने युवाओं के बीच उन्हें खास पहचान दिलाई। 2006 में वह अमेरिका और कनाडा के एक महीने लंबे कॉन्सर्ट टूर पर गए थे। रेडिफ को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि भारत और खाड़ी देशों के कई शहरों में पहले भी लाइव परफॉर्म कर चुके थे, लेकिन विदेशों में इतने बड़े स्तर पर परफॉर्म करना उनके लिए नई चुनौती थी। हिमेश ने कहा था कि लाइव ऑडियंस के सामने सिर्फ गाना काफी नहीं होता, अच्छा परफॉर्मर बनना भी जरूरी है। इसलिए उन्होंने स्टेज परफॉर्मेंस को गंभीरता से लिया। संगीतकार और सिंगर के बाद हीरो बनने की कोशिश, 2007 में किया डेब्यूः-संगीत और गायकी में सफलता के बाद हिमेश ने 2007 में एक और जोखिम लिया। उन्होंने फिल्म 'आपका सुरूरः द रियल लव स्टोरी' से अभिनेता के तौर पर शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने अपना काल्पनिक रूप परदे पर पेश किया। फिल्म का निर्देशन उनके बचपन के दोस्त प्रशांत चड्ढा ने किया था। इसे बॉक्स ऑफिस पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद हिमेश को लगा कि दर्शक उन्हें अभिनेता के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। उनकी अगली फिल्म 'कर्ज्ज्ज' बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। यह ऋषि कपूर की 1980 में आई सुपरहिट फिल्म 'कर्ज' का रीमेक थी। 'रेडियो', 'कजरारे' और 'दमादम' से भी उन्हें उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। एक इंटरव्यू में हिमेश ने स्वीकार किया था कि फिल्मों में अभिनय के दौरान वह उतनी मेहनत और समर्पण नहीं दे पाए, जितना संगीत के लिए देते थे। उन्होंने माना कि शुरुआत में एक साथ कई फिल्में कीं और कुछ प्रोजेक्ट्स में पैसे के लिए काम किया। बाद में उन्हें गलती का अहसास हुआ। 'द एक्सपोज' से मिली पहचान, लेकिन एक्टर के तौर पर मजबूत मुकाम नहीं बना पाएः-अभिनेता के तौर पर हिमेश की चर्चित फिल्मों में 'खिलाड़ी 786', 'द एक्सपोज' और 'तेरा सुरूर' शामिल हैं। 2014 में रिलीज हुई 'द एक्सपोज' में उनके अभिनय की चर्चा हुई और उन्हें पहचान मिली, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। 2012 में आई 'खिलाड़ी 786' में उन्होंने अक्षय कुमार के साथ काम किया था। हिमेश ने फिल्म में अभिनय के साथ संगीत भी दिया। बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक, फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन औसत रहा। 'आपका सुरूर' उनके अभिनय करियर की सबसे सफल फिल्मों में गिनी जाती है। बॉलीवुड हंगामा के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के मुताबिक, यह सेमी-हिट रही। इसके बाद उनकी ज्यादातर सोलो फिल्में सफल नहीं हुईं। 2020 की फिल्म 'हैप्पी हार्डी एंड हीर' में वह पहली बार डबल रोल में नजर आए। उन्होंने हार्डी और हैरी, दोनों किरदार निभाए थे। प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा था कि अभिनय में उन्हें ऐसी बड़ी सफलता की तलाश है, जो दर्शकों के बीच उनकी अलग पहचान बना सके। हिमेश का अभिनय करियर संगीत और गायकी जितना सफल नहीं रहा। उन्होंने अभिनय छोड़ने के बजाय खुद को नए अंदाज में पेश करने की कोशिश जारी रखी। संगीत की दुनिया में वापसी, अब बड़े प्रोजेक्ट्स पर दांवः-एक दौर में हिमेश का ज्यादा ध्यान अभिनय पर चला गया। 2009 में रेडिफ को दिए इंटरव्यू के मुताबिक, वह तब तक करीब 100 फिल्मों में संगीत दे चुके थे और उनके 500 गाने रिकॉर्ड हो चुके थे। उनके प्रशंसक चाहते थे कि वह दोबारा संगीतकार के तौर पर सक्रिय हों। बाद के वर्षों में उन्होंने संगीत को प्राथमिकता दी। 'प्रेम रतन धन पायो' के संगीत से अपनी धुनों की ताकत दिखाई। फिल्म के गाने 'प्रेम रतन धन पायो', 'जलते दिए' और 'आज उनसे मिलना है' पसंद किए गए। 2025 में रिलीज हुई 'बैडएस रविकुमार' में उन्होंने अभिनय, संगीत और गायकी की जिम्मेदारी संभाली। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन इसके गानों और हिमेश के पुराने अंदाज की चर्चा हुई। 2026 में हिमेश रेशमिया के पास कई बड़े संगीत प्रोजेक्ट हैं। इनमें तीन फिल्में चर्चा में हैं, जिनसे फिल्मी संगीत में उनकी वापसी के संकेत मिल रहे हैं। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। हिमेश ने इसका संगीत तैयार किया है। फिल्म 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी।इमरान हाशमी, जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना अभिनीत 'गनमास्टर जी9' का संगीत भी हिमेश ने दिया है। यह फिल्म भी 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म '1920ः कोल्ड विंटर' के लिए भी हिमेश संगीत तैयार कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से वह करीब 13 साल बाद विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगे। अनिल शर्मा की फिल्म 'अर्जुन नागा' का भी संगीत हिमेश दे रहे हैं। इन प्रोजेक्ट्स से साफ है कि हिमेश रेशमिया फिल्मी संगीत में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की तैयारी में हैं।

रिश्ते सलाह से नहीं, साथ देने से संभलते हैं,मुश्किल में फंसे व्यक्ति को तुरंत समाधान न बताएं, उसे सुनें-समझें, यही उसके लिए मदद है

वॉशिंगटन। किसी अपने को दुख, तनाव या असफलता से



जूझते देखकर हमारी पहली प्रतिक्रिया सलाह देने की होती है। लेकिन मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि यह सही नहीं है। सही मदद का मतलब समस्या का हल बताना नहीं, बल्कि उसे यह एहसास दिलाना है कि वह अकेला नहीं है। जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसकी बात सुनी और समझी गई है, तभी वह बेहतर फैसला लेने की स्थिति में आता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, संकट के दौर से गुजर रहे व्यक्ति को सबसे पहले भावनात्मक सुरक्षा चाहिए। उसे तुरंत सलाह देने के बजाय पहले उसकी भावनाओं को स्वीकार करना और बिना निर्णय के सुनना अधिक असरदार होता है। इससे भरोसा बढ़ता है और व्यक्ति खुद समाधान तक पहुंचने में सक्षम बनता है। टेनेसी की मनोचिकित्सक एली स्पॉट्स-डी लाजर कहती हैं कि सलाह तब असर करती है, जब व्यक्ति पहले यह महसूस कर ले कि उसकी बात सचमुच सुनी गई है। इसलिए 'यह बहुत कठिन होगा' या 'मैं तुम्हारे साथ हूं' जैसी छोटी बातें ज्यादा प्रभावी साबित होते हैं। लॉस एंजेलिस की विवाह एवं परिवार विशेषज्ञ शेरिल ग्रॉसकोफ के मुताबिक, सलाह देने की जल्दबाजी कई बार सामने वाले से ज्यादा हमारी अपनी बेचैनी को शांत करने की कोशिश होती है। हर समस्या का तुरंत समाधान संभव नहीं होता। ऐसे में अनिश्चितता को स्वीकार करने में मदद करना ज्यादा उपयोगी है। सवाल पूछें, आदेश न दें-वर्जीनिया की क्लीनिकल सोशल वर्कर मैरी मैकलॉफलिन कहती हैं कि व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा विशेषज्ञ खुद होता है। इसलिए 'तुम्हें ऐसा करना चाहिए', कहने के बजाय 'तुम्हें क्या सही लगता है?' या 'तुम्हें सबसे बड़ी चिंता किस बात की है?' जैसे सवाल व्यक्ति को अपने उत्तर खोजने में मदद करते हैं। इससे उसका आत्मविश्वास भी बना रहता है। न्यूयॉर्क की मनोवैज्ञानिक मेलिसा ग्लक बताती हैं कि सीधे पूछ लें- 'तुम्हें अभी मेरी किस तरह की मदद चाहिए? सिर्फ सुनूं या कोई सुझाव दूं?' इससे अनचाही सलाह देने की गलती नहीं होती।सवाल पूछें, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों में मदद करें-विशेषज्ञों के अनुसार, बातचीत के दौरान कुछ पल का शांत विराम भी मददगार होता है।

मनोविज्ञान में इसे को-रेगुलेशन कहा जाता है, जिसमें शांत व्यवहार सामने वाले के तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके विपरीत, जरूरत से ज्यादा घबराहट दिखाना उसकी चिंता और बढ़ा सकता है। अच्छी भावनात्मक मदद के 5 तरीके-1. पहले सुनें, बाद में सलाह दें। 2. व्यक्ति की भावनाओं को सही ठहराएं, उन्हें कमतर न आंकें। 3. 'मैं क्या करूं?' पूछकर उसकी जरूरत समझें। 4. सलाह देने के बजाय खुले सवाल पूछें। 5. जरूरत हो तो भोजन, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों जैसी व्यावहारिक मदद भी कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।